{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 15 अगस्त 2026
श्रावण शुक्ल 03 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 322
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	78,009.25
निफ्टी	24,366.00
सोना	1,61,677
चांदी	2,55,000
डॉलर	95.61

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू बोलीं

2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे

नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देश को संबोधित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। नागरिक राष्ट्र के लिए सदैव जागरूक रहें। उन्होंने आगे कहा कि आज का दिन हम विभाजन विभीषिका दिवस के रूप में मनाते हैं। सांप्रदायिक हिंसा की वजह से लाखों को शरणार्थी बनना पड़ा। फिर भी उन्होंने अपनी पहचान नहीं छोड़ी।

राष्ट्रपति ने कहा कि आज का दिन हम विभाजन विभीषिका दिवस के रूप में मनाते हैं। सांप्रदायिक हिंसा की वजह से लाखों को शरणार्थी बनना पड़ा। फिर भी उन्होंने अपनी पहचान नहीं छोड़ी।

हमारा संविधान जनभागीदारी पर आधारित है। उस भावना को हमारे देशवासी आगे बढ़ा रहे हैं यह हमारी लोकतंत्र की उपलब्धि है। अब से कुछ ही घंटों बाद, हमारे देश की स्वाधीनता के 80वें वर्ष का शुभारंभ होगा। देश-विदेश में रहने वाले सभी भारतीय यह पर्व उल्लास के साथ मनाते हैं। हमारा तिरंगा हमारी स्वाधीनता का प्रतीक है। इसे हम पूरी शान से फहराते हैं।

देशवासी स्वतंत्र भारत की नियति के निर्माता बने

द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि 15 अगस्त 1947 के दिन भारतमाता पराधीनता की बेडियों से मुक्त हुईं। सभी देशवासी, स्वतंत्र भारत की नियति के निर्माता बने। निष्ठावान विद्यार्थी और शिक्षक, विकास के लिए तत्पर वैज्ञानिक और इंजीनियर, स्वास्थ्य सेवा में कार्यरत डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी, मेहनती श्रमिक और अन्नदाता किसान, अपने प्रयासों से राष्ट्र-निर्माण कर रहे हैं। अन्य क्षेत्रों में सक्रिय, असंख्य देशवासी, तथा संविधान में निहित, मूल कर्तव्यों का पालन करने वाले सभी नागरिक, राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण भागीदार हैं। मैं उन सभी की हृदय से सराहना करती हूं।

सिंधु जल संधि को निलंबित करना राष्ट्रीय हित में

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि न्यायिक व्यवस्था से जुड़े हर व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह यह सुनिश्चित करे कि संसाधनों की कमी के कारण किसी को भी न्याय से वंचित न रहना पड़े। आतंकवाद को पनाह देने वाले देश के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करना राष्ट्रीय हित में, खासकर किसानों के लिए, एक निर्णायक कदम है।

पिछले एक दशक में देश ने तेज गति से विकास किया

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि अपनी समृद्ध विरासत और स्वाधीनता संग्राम के आदर्शों को अपनाते हुए हम आधुनिक विकास के मार्ग पर अग्रसर हैं। 'वयं राष्ट्रे जागृयाम', यह वेद-वाक्य हमें प्रेरणा देता है कि हम राष्ट्र के लिए सदैव जागरूक रहें। पिछले एक दशक से कुछ अधिक समय में हमारे देश ने तेज गति से समावेशी विकास किया है। विरासत और विकास के समन्वय को प्राथमिकता दी है, तथा विकास में बाधक दशकों पुराने अनेक अवरोधों को दूर किया है।

खास खबर

6 जगहों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट, इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट और राजधानी की 4 अन्य जगहों पर बम से उड़ाने की धमकी मिली। खालिस्तान के नाम से भेजे गए धमकी के ईमेल में दावा किया गया है कि दिल्ली को खालिस्तान बना दिया जाएगा। ईमेल के मुताबिक, शनिवार दोपहर 2ः11 बजे दिल्ली हाई कोर्ट में बम धमाका होगा और उसके एक घंटे बाद जिला अदालतों में धमाके होंगे। ईमेल के अनुसार, ये धमाके दिल्ली की अदालतों में चल रहे मुकदमों के जवाब में किए जा रहे हैं। ईमेल में लिखा था, दिल्ली की अदालतों में सिर्फ सिखों के खिलाफ मुकदमे चलते हैं।

पुलिस-फायर सर्विस के 301 कर्मियों को गैलेंट्री अवॉर्ड

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने स्वतंत्रता दिवस 2026 के मौके पर पुलिस, फायर सर्विस, होम गार्ड, सिविल डिफेंस और जेल सेवाओं के 1,057 कर्मियों को गैलेंट्री और सर्विस मेडल देने का ऐलान किया है। इनमें 301 गैलेंट्री मेडल, 92 प्रेसिडेंट्स मेडल फॉर डिस्टिंग्विश्ड सर्विस और 664 मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस शामिल हैं। इनके अलावा सीबीआई के 21 अधिकारियों और कर्मचारियों को भी उनकी सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया है। कुल 301 गैलेंट्री मेडल में 272 पुलिसकर्मी और 29 फायर सर्विस कर्मी शामिल हैं। इनमें सबसे ज्यादा 197 कर्मी लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म यानी नक्सल प्रभावित इलाकों में तैनात हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर के 51, नॉर्थ-ईस्ट के 12 और अन्य क्षेत्रों के 41 कर्मियों को भी गैलेंट्री मेडल दिया गया है।

राहुल गांधी के खिलाफ सावरकर मानहानि केस रद्द

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का एक मामला रद्द कर दिया। केस वीर सावरकर के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने और समाज में नफरत फैलाने के आरोपों से जुड़ा था। यूपी सरकार की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि मामले में राहुल गांधी पर मुकदमा चलाने की आधिकारिक मंजूरी नहीं ली गई थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि जब कानूनी मंजूरी ही नहीं है,

अवकाश

बालाघाट एक्सप्रेस के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय में 15 अगस्त को अवकाश रहेगा। अत: अगला अंक 17 अगस्त 2026 को प्रकाशित एवं प्रसारित होगा।

संपादक

कुछ ना कहना

लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम, दिल्ली में यातायात पर भी पाबंदियां

नई दिल्ली । स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर राजधानी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था कई स्तरों पर मजबूत कर दी गई है। 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र को संबोधित करेंगे। समारोह में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए लाल किले और उसके आसपास सुरक्षा एजेंसियों की तैनाती बढ़ाई गई है। करीब 15 से 20 हजार सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की तैयारी है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत लाल किले के आसपास निगरानी बढ़ाने के साथ संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। पुलिस की ओर से जांच और गश्त तेज की गई है। ऊंची इमारतों से निगरानी, ड्रोन और अन्य तकनीकी साधनों के इस्तेमाल के जरिए सुरक्षा को और मजबूत किया जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर दिल्ली यातायात पुलिस ने भी विस्तृत यातायात परामर्श जारी किया है। लाल किले के आसपास कई प्रमुख मार्गों पर सामान्य वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित या परिवर्तित रहेगी। यात्रियों को वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। बसों और मालवाहक वाहनों की आवाजाही पर भी विशेष प्रतिबंध लगाए गए हैं। 13 अगस्त को पूर्ण ड्रेस रिहर्सल के दौरान भी लाल किले के आसपास सुबह 4 बजे से 10 बजे तक कई सड़कें सामान्य यातायात के लिए बंद रखी गई थीं। 15 अगस्त को भी सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के तहत इसी तरह के व्यापक प्रतिबंध लागू रहेंगे। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले यातायात व्यवस्था की जानकारी लें और निर्धारित मार्गों का ही इस्तेमाल करें, ताकि स्वतंत्रता दिवस समारोह सुचारू और सुरक्षित तरीके से संपन्न हो सके।

अमित शाह पर टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी को विशेषाधिकार समिति का नोटिस, 28 अगस्त तक देना होगा जवाब

नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ सदन में की गई टिप्पणियों को लेकर विशेषाधिकार समिति ने नोटिस जारी किया है। समिति ने राहुल गांधी से 28 अगस्त 2026 तक अपना जवाब और स्पष्टीकरण दाखिल करने को कहा है। मामला लोकसभा में सार्वजनिक परीक्षा यानी पेपर लीक से जुड़े संशोधन विधेयक, 2026 पर हुई चर्चा के दौरान की गई टिप्पणियों से जुड़ा है।

जानकारी के मुताबिक, भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनुराग ठाकुर ने 30 जुलाई को राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस देते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से शिकायत की थी। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ने मामले को जांच के लिए विशेषाधिकार समिति के पास भेज दिया। भाजपा सांसद डॉ. संजय जायसवाल ने भी 29 जुलाई को पत्र लिखकर राहुल गांधी की कथित असंसदीय टिप्पणियों पर कार्रवाई की मांग की थी।

समिति के नोटिस में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी ने चर्चा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ असंसदीय और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया तथा नियम 353 के तहत आवश्यक पूर्व सूचना दिए बिना गंभीर आरोप लगाए। भाजपा की ओर से इन टिप्पणियों को संसदीय नियमों का उल्लंघन बताया गया है।

अब राहुल गांधी के जवाब के बाद विशेषाधिकार समिति मामले पर आगे विचार करेगी। यदि समिति उनके स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं होती है, तो उन्हें व्यक्तिगत रूप से समिति के सामने उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया जा सकता है। इसके बाद समिति अपनी रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष और सदन के समक्ष पेश कर सकती है।

सरकारी राशन की कालाबाजारी पर प्रशासन की कार्यवाही

रामपायली में किराना दुकान पर छापा करीब 25 क्विंटल सरकारी चावल ज़ब्त

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रामपायली में 14 अगस्त को प्रशासन ने गरीबों के हक का अनाज हड़पने वालों के खिलाफ एक बड़ी और सख्त कार्यवाही की है। खाद्य विभाग और कृषि उपज मंडी वारासिवनी की संयुक्त टीम ने रामपायली स्थित सेवा सहकारी समिति के पास संचालित मनोज डडाहटे की किराना दुकान पर अचानक छापामार कार्यवाही कर भारी मात्रा में सरकारी राशन का चावल बरामद किया है। खाद्य विभाग और मंडी समिति की टीम के द्वारा संबंधित दुकान संचालक मनोज डडाहटे के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक प्रकरण तैयार करने की कार्यवाही की जा रही है।

लंबे समय से चल रहा था खेल कलेक्टर से हुई थी शिकायत

प्राप्त जानकारी के अनुसार शासन की जन.कल्याणकारी योजनाओं के तहत गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले हितग्राहियों को उचित मूल्य दुकान समिति से कम दरों पर राशन वितरित किया जाता है। हालांकि क्षेत्र में लंबे समय से यह गोरखधंधा चल रहा था कि कुछ हितग्राही राशन प्राप्त करने के बाद उसे गांव के ही कुछ बिचौलियों व दुकानों पर ले जाकर खुले बाजार में बेच देते थे। इस अवैध खरीद.फरोख्त की शिकायत ग्राम के ही किसी नागरिक के द्वारा सीधे जिला कलेक्टर से की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लिया और खाद्य विभाग व मंडी प्रशासन की एक संयुक्त जांच टीम गठित कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

मौके से 24 क्विंटल 95 किलो चावल ज़ब्त

जिला प्रशासन के निर्देश पर शुक्रवार की दोपहर खाद्य अधिकारी निहारिका अवस्थी, कृषि उपज मंडी के सहायक ग्रेड.2 विक्रान्त देशमुख एवं सहायक ग्रेड.3 भूषण लांजेवार की संयुक्त टीम ने रामपायली में मनोज डडाहटे के निवास पर संचालित किराना दुकान पर दबिश दी। अचानक हुई इस छापामार कार्यवाही से मौके पर हड़कंप मच गया। दुकान व परिसर की गहन तलाशी लेने पर वहां गरीबों को मिलने वाले सरकारी चावल की एक बड़ी खेप बरामद की गई। प्रशासनिक टीम ने मौके पर ही विधिवत पंचनामा तैयार कर कुल 24 क्विंटल 95 किलोग्राम सरकारी चावल ज़ब्त किया। ज़ब्त किए गए राशन को सुरक्षित रखने के लिए एक पिकअप वाहन के माध्यम से वारा स्थित वेयरहाउस भिजवा दिया गया है।

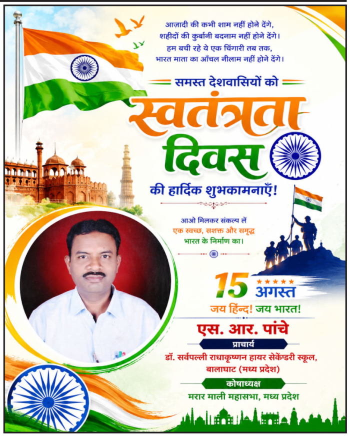

वारासिवनी कांग्रेस कार्यालय पहुंचे नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार

विधायक विवेक पटेल के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने गर्मजोशी के साथ किया स्वागत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार शुक्रवार को वारासिवनी कांग्रेस जनसंपर्क कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और पार्टी में सभी को एकजुट होकर काम करने को कहा। वहीं उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश देखकर वारासिवनी कांग्रेस की तारीफ भी की। जिसके बाद वे बालाघाट के बिरसा में आदिवासी ब'चों की मौत पर उनके परिजनों से मिलने पहुँचे। जहां उन्होंने प्रदेश की भाजपा को जमकर घेरा। इस दौरान बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे,विधायक विवेक पटेल, ब्लाक अध्यक्ष जीतू राजपूत, तेजराम नगपुरे,जैसराज पारधी, रामकिशोर बिसेन,शाहिद खान, सुदेश गुड्डू सोनी,अनिल पिपरेवार,राहुल अरोरा,राकेश वर्मा,चिंटू जैन,विजय बिसेन,प्रमेंद्र हेड़ाऊ,संदेश बिसेन, रितिक गौतम, चंदू बुरडे,उ卐वल गौतम,सोनू पटले, प्रणय धार्मिक सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ब'चों के मौत के आंकड़े छुपा रही सरकार-उमंग सिंघार

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि बालाघाट जिले के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में रहस्यमयी बीमार के चलते लगभग 15-16 ब'चों की मौत हो चुकी है। फिर भी प्रदेश सरकार के मंत्री गहरी नींद में सोए हुए है उन्हें आदिवासी ब'चों की कोई फ्रीक नहीं है। जबकि एक माह पूर्व पत्रकारों ने खबर के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग को चेताया था मगर किसी ने भी ब'चों की चिंता नहीं की। वहीं सरकार भी आंकड़े छुपा रही है प्रदेश सरकार कहती है नक्सल खत्म हो गया है। जब नक्सल खत्म हो गया तो आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में उन्हें सुविधाएं क्यों नहीं मिल रही है। इंदौर, छिंदवाड़ा और बालाघाट में लगातार ब'चों की मौत सरकार की लाफरवाही के कारण हो रही है।

गरीबों के चावल घोटाले के आरोपी को बचा रही सरकार

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि गरीबों को मिलने वाले चावल को ऐथेनॉल वालो को बेचा गया और वही चावल को फिर सरकार को बेचा गया। उनमें भाजपा के बडे बड़े नेता शामिल है,सरकार ने छोटे व्यापारी को जेल भेज दिया। मगर बालाघाट जिले के भाजपा नेताओं को शरण देकर रखी है,उन पर भी कार्यवाही होनी चाहिए गरीबों का अनाज गरीबों को ही मिलना चाहिए।

आदिवासी जमीन घोटाले में भाजपा के नेता

उमंग सिंघार ने कहा कि जमीन घोटाले पूरे प्रदेश के अंदर हुए है हमारे द्वारा विधानसभा सत्र में भी आवाज उठाई जाती है। मगर भाजपा के लोग ही इस धंधे में शामिल है इसलिए कार्यवाही नहीं होती। सरकार के मंत्री कहते है कि हम कार्यवाही करेंगे कब कार्यवाही करेंगे जनता को बताते ही नहीं।

नर्सिंग का रजिस्ट्रेशन गुम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं भाग्यश्री पिता श्री डोमाजी लिल्हारे वार्ड न. 33 गायखुरी बालाघाट जिला बालाघाट(म.प्र) की निवासी हुं।

मेरा जी.एन.एम. नर्सिंग का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट जिसका रजिस्ट्रेशन क्रमांक V-62128 Dated 31/07/2020 Valid up to 30/07/2025 है जो कि मोती नगर बालाघाट म.प्र. में फोटोकापी करवाते समय दिनांक 01/07/2025 को कही उचित रख रखाव के अभाव में गुम हो चुका है जो कि काफी खोजबीन करने के पश्चात भी आज दिनांक तक अप्राप्त है। उक्त सर्टिफिकेट जिस किसी भी सज्जन को मिले कृपया संपर्क करे।

भाग्यश्री पिता डोमाजी लिल्हारे
वार्ड न. 33 गायखुरी बालाघाट
जिला बालाघाट(म.प्र
9399325298

न्यूज गैलरी

कार सवारों ने तीन लोगों से की मारपीट- तीनों घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रूपझर थाना क्षेत्र के ग्राम सोनेवानी में सड़क किनारे खड़ी कार के गेट खोलने को लेकर हुए विवाद के बाद कार सवारों ने तीन लोगों के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट कर दी। घटना में तीनों लोग घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। घायलों में दिनेश पिता धुरपत मरकाम 25 वर्ष,मनोज पिता मेहतर टेकाम 28 वर्ष और बस्तरसिंह पिता चुन्नीलाल पन्द्रे 43 वर्ष सभी ग्राम कसंगी थाना रूपझर निवासी शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनेश मरकाम और मनोज टेकाम बस्तरसिह पन्द्रे 15 अपने गांव में खेती मजदूरी का काम करते हैं। बताया गया है कि 13 अगस्त को दिनेश मरकाम अपने साथी कमलेश उइके के साथ किसी काम से बालाघाट आए थे। काम पूरा करने के बाद दोनों मोटरसाइकिल से अपने गांव कसंगी लौट रहे थे। ग्राम लता-सोनेवानी के आगे सड़क किनारे जेसीबी से काम चल रहा था। इसी दौरान वहां एक कार खड़ी थी। बताया गया है कि कार में बैठे एक व्यक्ति ने अचानक कार का गेट खोल दिया।जिसकी चपेट में आने से दिनेश और कमलेश मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर गए। इसके बाद कार सवारों द्वारा दोनों को कथित तौर पर धमकाया गया। विवाद बढ़ने पर दिनेश ने अपने परिचित बस्तरसिंह पन्द्रे और मनोज टेकाम को मौके पर बुलाया।आरोप है कि इसके बाद कार सवारों ने दिनेश मरकाम, मनोज टेकाम और बस्तरसिंह पन्द्रे के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट कर दी। मारपीट में तीनों घायल हो गए। घटना के बाद तीनों घायल मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचे, ।जहां उनका उपचार किया गया ।घटना में प्रयुक्त बताई जा रही कार का नंबर एमपी 50 के 6981 बताया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने घायल दिनेश मरकाम का बयान दर्ज कर मामले की तहरीर अग्रिम कार्रवाई के लिए घटनास्थल से संबंधित रूपझर थाना पुलिस को भेज दी है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

झकड़कना में शासकीय भूमि पर अवैध भंडारण के खिलाफ कार्रवाई, 15 ट्रैक्टर-ट्रॉली सामग्री जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शुक्रवार 14 अगस्त को किरनापुर तहसील के ग्राम कड़कना में शासकीय भूमि पर अवैध रूप से किए गए भंडारण के मामले में खनिज विभाग द्वारा कार्रवाई की गई। जिसमें अवैध रूप से भंडारित लगभग 15 ट्रैक्टर-ट्रॉली सामग्री को जब्त किये गए। उपसंचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि शासकीय भूमि पर अवैध रूप से भंडारित लगभग 15 ट्रैक्टर-ट्रॉली सामग्री को जब्त किया गया है। जब्त सामग्री को सुरक्षित रखने के लिए ग्राम कोटवार की सुपुर्दगी में सौंप दिया गया है। विभाग द्वारा शासकीय भूमि के अनधिकृत उपयोग एवं अवैध भंडारण के मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि शासकीय भूमि पर बिना अनुमति किए जाने वाले अवैध भंडारण पर विभाग की निगरानी एवं कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

बच्चों की मौत के मामले में कांग्रेस ने जारी की 19 मासूमों की सूची, सरकार और प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

बैहर विधायक संजय उइके ने सार्वजनिक किए मृत बच्चों के नाम, कहा- बैगा आदिवासी क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के अभाव ने छीनी मासूमों की जिंदगी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बिरसा क्षेत्र के बैगा आदिवासी बाहुल्य गांवों में बच्चों की मौत का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। एक ओर स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन की ओर से अब तक बच्चों की मौत के संबंध में कोई आधिकारिक आंकड़ा सार्वजनिक नहीं किया गया है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस जिला अध्यक्ष एवं बैहर विधायक संजय उइके ने प्रेस वार्ता के दौरान अपनी विधानसभा के विभिन्न गांवों में हुई बच्चों की मौत का विवरण सार्वजनिक कर दिया है।

विधायक संजय उइके ने दावा किया कि बिरसा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में अब तक 19 मासूमों की मौत हो चुकी है। उन्होंने मृत बच्चों के नाम, गांव और मृत्यु की तिथियों की सूची मीडिया को उपलब्ध कराते हुए सरकार और जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। विधायक संजय उइके ने कहा कि बैगा आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छ पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं का गंभीर अभाव है। उन्होंने आरोप लगाया कि यही कारण है कि इन क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों को समय पर उपचार और आवश्यक सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं, जिसके चलते लगातार मौत के मामले सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन को इस मामले में पारदर्शिता बरतनी चाहिए और वास्तविक आंकड़े सार्वजनिक किए जाने चाहिए। उनका आरोप है कि सरकार और प्रशासन इस मामले की गंभीरता को कम करके दिखाने का प्रयास कर रहे हैं। विधायक संजय उइके ने कहा कि जिन क्षेत्रों में बच्चों की मौत हुई है, वे सभी मलेरिया प्रभावित क्षेत्र हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और मृत बच्चों के परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जानी चाहिए। साथ ही स्वच्छ पेयजल, पोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। कांग्रेस ने मांग की है कि इस पूरे मामले की जांच के लिए एक विशेष समिति का गठन किया जाए, जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों के साथ स्थानीय प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाए। समिति क्षेत्र का अध्ययन कर बच्चों की मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करे।

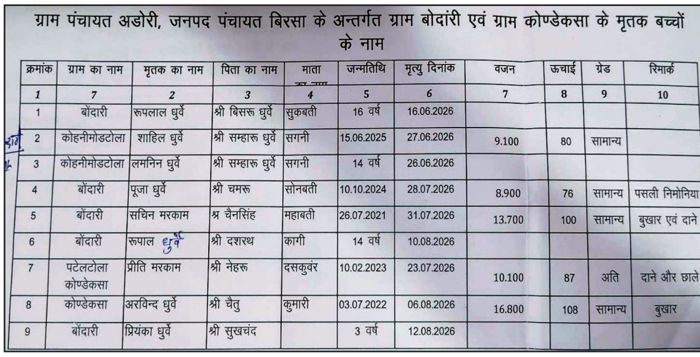

ग्राम पंचायत अडोरी, जनपद पंचायत बिरसा के अन्तर्गत ग्राम बोदांरी एवं ग्राम कोण्डेकसा के मृतक बच्चों के नाम

क्रमांक	ग्राम का नाम	मृतक का नाम	पिता का नाम	माता का नाम	जन्मतिथि	मृत्यु दिनांक	वजन	ऊचाई	ग्रेड	रिमार्क
1	7	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	बोंदारी	रूपलाल धुर्वे	श्री बिसरू धुर्वे	सुकबती	16 वर्ष	16.06.2026				
2	कोहनीमोडटोला	शाहिल धुर्वे	श्री सम्हारू धुर्वे	सगनी	15.06.2025	27.06.2026	9.100	80	सामान्य	
3	कोहनीमोडटोला	लमनिन धुर्वे	श्री सम्हारू धुर्वे	सगनी	14 वर्ष	26.06.2026				
4	बोंदारी	पूजा धुर्वे	श्री चमरू	सोनबती	10.10.2024	28.07.2026	8.900	76	सामान्य	पसली निमोनिया
5	बोंदारी	सचिन मरकाम	श्र चैनसिंह	महाबती	26.07.2021	31.07.2026	13.700	100	सामान्य	बुखार एवं दाने
6	बोंदारी	रूपाल धुर्वे	श्री दशरथ	कागी	14 वर्ष	10.08.2026				
7	पटेलटोला कोण्डेकसा	प्रीति मरकाम	श्री नेहरू	दसकुवंर	10.02.2023	23.07.2026	10.100	87	अति	दाने और छाले
8	कोण्डेकसा	अरविन्द धुर्वे	श्री चैतु	कुमारी	03.07.2022	06.08.2026	16.800	108	सामान्य	बुखार
9	बोंदारी	प्रियंका धुर्वे	श्री सुखचंद		3 वर्ष	12.08.2026				

विभिन्न ग्राम पंचायतों में मृतक 19 बच्चों के नाम आये सामने

जनपद पंचायत बिरसा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत अडोरी के ग्राम बोदांरी और कोण्डेकसा में बच्चों की मौत के मामले सामने आए हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार ग्राम बोदांरी में रूपलाल धुर्वे (16 वर्ष), पिता बिसरू धुर्वे की 16 जून 2026 को मृत्यु हुई। इसके अलावा कोहनीमोड़टोला निवासी शाहिल धुर्वे, पिता सम्हारू धुर्वे की 27 जून 2026 तथा लमनिन धुर्वे (14 वर्ष), पिता सम्हारू धुर्वे की 26 जून 2026 को मौत हुई। इसी ग्राम पंचायत के अंतर्गत पूजा धुर्वे, पिता चमरू की 28 जुलाई 2026, सचिन मरकाम, पिता चैनसिंह की 31 जुलाई 2026 तथा रुपाल धुर्वे (14 वर्ष), पिता दशरथ की 10 अगस्त 2026 को मृत्यु होने की जानकारी दी गई है। वहीं ग्राम कोण्डेकसा में प्रीति मरकाम, पिता नेहरू की 23 जुलाई 2026 तथा अरविन्द धुर्वे, पिता चैतु की 6 अगस्त 2026 को मौत हुई। इसके अलावा बोदांरी निवासी प्रियंका धुर्वे (3 वर्ष), पिता सुखचंद की 12 अगस्त 2026 को मृत्यु हुई। ग्राम मातला के सदेसिंह मरकाम (11 वर्ष), पिता सन्याद मरकाम का नाम भी सूची में शामिल है। ग्राम पंचायत मछुरदा के अंतर्गत आने वाले ग्राम मातला, मछुरदा, कोरका और गठिया में भी बच्चों की मौत के मामले दर्ज किए गए हैं। ग्राम मातला में रूही परते, पिता महासिंह की 18 मई 2026 तथा राम परते, पिता महासिंह की 19 मई 2026 को मौत हुई। ग्राम मछुरदा में सूरज मरकाम, पिता सगनू की 1 अगस्त 2026 और रोवन धुर्वे, पिता टेकसिंह की 3 अगस्त 2026 को मृत्यु हुई। ग्राम कोरका में सुन्दरी मेरावी, पिता लखमी की 2 अगस्त 2026 को मौत हुई, जबकि ग्राम गठिया में मंगली मरकाम, पिता सहरसिंह की 11 अगस्त 2026 को मृत्यु होने की जानकारी सामने आई है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत लालपुर के अंतर्गत ग्राम तेंदूडेही में रौवनू मरकाम (7 वर्ष), पिता बरन की 11 अगस्त 2026 को मृत्यु हुई। वहीं ग्राम पंचायत घुम्मुर के ग्राम चिखली खैरटोला में सुरमीला (4 वर्ष), पिता भगलसिंह की 10 जून 2026 तथा ग्राम कोडबीरकोना में राजू तिलगाम (1 वर्ष 6 माह), पिता पहाड़सिंह की 7 अगस्त 2026 को मौत दर्ज की गई है।

बच्चों की मौत के मामले में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार पहुंचे बिरसा, पीड़ित परिवारों से मिलकर सरकार से मांगी जवाबदेही

बैगा आदिवासी क्षेत्रों का दौरा कर जानी जमीनी हकीकत, मृत बच्चों के परिजनों को 20-20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की उठाई मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा क्षेत्र के बैगा आदिवासी बाहुल्य गांवों में बच्चों की लगातार हो रही मौत का मामला अब राजनीतिक रूप से और अधिक गंभीर होता जा रहा है। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस लगातार सरकार को घेर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर मामले में हस्तक्षेप की मांग की जा चुकी है। वहीं, 14 अगस्त को मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार बालाघाट पहुंचे और प्रभावित गांवों का दौरा कर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बैहर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कुंडेकसा, अडोरी, कोरका और बोंदारी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने उन परिवारों से मुलाकात की, जिन्होंने महामारी के दौरान अपने मासूम बच्चों को खो दिया है। उन्होंने मृत बच्चों के माता-पिता के साथ बैठकर उनका दुख साझा किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। दौरे के दौरान उमंग सिंघार ने बैगा आदिवासी परिवारों के रहन-सहन, स्वास्थ्य सुविधाओं, पेयजल व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने आदिवासी समुदाय के लोगों से सीधे चर्चा कर यह जानने का प्रयास किया कि आखिर इन क्षेत्रों में आज भी बुनियादी सुविधाएं क्यों नहीं पहुंच पाई हैं। नेता प्रतिपक्ष ने अस्पताल में भर्ती बच्चों का भी हालचाल जाना और उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार को इस पूरे मामले में संवेदनशीलता के साथ काम करना चाहिए। बच्चों की मौत जैसी घटनाएं बेहद दुखद हैं और ऐसे मामलों में प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता मिलनी चाहिए। उन्होंने मृत बच्चों के परिजनों को 20-20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग करते हुए कहा कि सरकार को तत्काल राहत प्रदान करनी चाहिए। उमंग सिंघार ने बैगा आदिवासी क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर सरकार पर कई सवाल भी खड़े किए। उन्होंने कहा कि यदि समय पर स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छ पेयजल और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई होतीं तो शायद ऐसी स्थिति पैदा नहीं होती। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं बैहर विधायक संजय उइके, परसवाड़ा विधायक मधु भगत, वारासिवनी विधायक विवेक विक्की पटेल, पूर्व सांसद विश्वेश्वर भगत, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष हिना कावरे, पूर्व अनुसूचित जनजाति आयोग सदस्य हीरासन बाई उइके, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट अशोक सिंह सरस्वार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मानव अधिकार आयोग ने कलेक्टर और सीएमएचओ को किया तलब

दूसरी ओर, इस पूरे मामले में मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग भी सक्रिय हो गया है। मानव अधिकार आयोग की सदस्य फिरोज खान ने बताया कि आयोग ने इस मामले में जिला कलेक्टर और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से जवाब तलब किया है। उन्होंने बताया कि मानव अधिकार आयोग की ओर से 29 जुलाई और 12 अगस्त को इस मामले को लेकर पत्र जारी किए गए हैं। आयोग ने समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों के आधार पर बच्चों की मौत के मामले को गंभीरता से लेते हुए संज्ञान लिया है। मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने प्रथम दृष्टया मानव अधिकारों के उल्लंघन के मामलों में संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है। आयोग के अनुसार, बिरसा विकासखंड की ग्राम पंचायत अडोरी के अंतर्गत आने वाले बोंदारी और कुंडेकसा गांवों में बच्चों के बीच एक संदिग्ध संक्रामक बीमारी फैलने के कारण चार बच्चों की मौत और 16 से अधिक बच्चों के बीमार होने की जानकारी सामने आई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए आयोग ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बालाघाट को जांच कर एक सप्ताह के भीतर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। बच्चों की मौत के मामले में अब राजनीतिक दबाव के साथ-साथ प्रशासनिक जवाबदेही भी बढ़ती जा रही है। एक ओर कांग्रेस इस मुद्दे को प्रदेश स्तर पर उठा रही है, तो दूसरी ओर मानव अधिकार आयोग की सक्रियता के बाद प्रशासन पर भी जल्द तथ्यात्मक जानकारी प्रस्तुत करने का दबाव बढ़ गया है। ऐसे में अब सभी की निगाहें प्रशासनिक जांच और सरकार द्वारा उठाए जाने वाले आगामी कदमों पर टिकी हुई हैं।

15 अगस्त के उल्लास में खल रही गणवेश की कमी, न राशि मिली न ड्रेस; जिले के 1.14 लाख विद्यार्थियों को इंतजार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व को लेकर जहां जिलेभर में उत्साह का माहौल है, वहीं सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले हजारों विद्यार्थियों को नई गणवेश नहीं मिलने से मायूसी है। 15 अगस्त को होने वाले कार्यक्रमों में जिले के अधिकांश सरकारी स्कूलों के बच्चे पुरानी अथवा फटी-पुरानी गणवेश में ही शामिल होने को मजबूर होंगे।अब तक न तो विद्यार्थियों को नई गणवेश उपलब्ध कराई गई है और न ही गणवेश के लिए निर्धारित राशि उनके खातों में पहुंची है।जिसको लेकर विघार्थी परेशान है।

पहली से 8वी तक के बच्चो को मिलती है गणवेश की राशि

प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों को दो जोड़ी गणवेश के लिए 600 रुपए की राशि प्रदान की जाती रही है। लेकिन इस शैक्षणिक सत्र में स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले तक भी राशि का भुगतान नहीं हो पाया है। ऐसे में विद्यार्थियों और उनके पालकों के सामने राष्ट्रीय पर्व पर नई गणवेश उपलब्ध होने को लेकर भी संशय बना हुआ है।

विभाग ने किया पत्राचार, नहीं मिला जवाब

जिला शिक्षा केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार गणवेश के संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र से पत्राचार कर मार्गदर्शन मांगा गया था, लेकिन अब तक इस संबंध में कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ था। बताया गया कि वर्ष 2022-23 में शासन स्तर से गणवेश तैयार करवाकर विद्यार्थियों को वितरित की गई थी। इसमें कई प्रकार की समस्याएं सामने आने के बाद विद्यार्थियों के पालकों के खातों में 600 रुपए की राशि प्रदान करने की व्यवस्था शुरू की गई थी। इस वर्ष भी राशि दिए जाने की जानकारी सामने आ रही है, लेकिन ये कब मिलेगी इसकी कोई समय सीमा तय नही की गई है।बताया गया कि इस वर्ष गणवेश को लेकर अंतिम निर्णय वरिष्ठ स्तर से होना है।

दो जोड़ी गणवेश के लिए 600 रुपए

सरकारी स्कूलों में कक्षा पहली से आठवीं तक अध्ययनरत विद्यार्थियों को दो जोड़ी गणवेश के लिए 600 रुपए दिए जाते हैं। वर्ष 2022-23 में पहली से चौथी तथा छठवीं और सातवीं कक्षा के विद्यार्थियों को महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से गणवेश तैयार करवाकर वितरित की गई थी। हालांकि वितरण के दौरान कई खामियां सामने आने के बाद पुनः राशि विद्यार्थियों के खातों में भेजने की व्यवस्था की गई।

जिले के 1.14 लाख विद्यार्थियों को इंतजार

विभागीय आंकड़ों के अनुसार जिले के 2172 सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत 1 लाख 14 हजार 822 विद्यार्थियों को गणवेश अथवा गणवेश की राशि का लाभ दिया जाना है। लेकिन अब तक एक भी विद्यार्थी के खाते में राशि नहीं पहुंची है। बताया जा रहा है कि प्रदेश स्तर से सिंगल क्लिक के माध्यम से विद्यार्थियों के खातों में राशि अंतरित की जाएगी। इसके लिए जिला स्तर पर पात्र विद्यार्थियों की सूची और बैंक खाता संबंधी जानकारी को अपडेट करने का काम किया जा रहा है।

पालकों ने जल्द राशि जारी करने की मांग की

विद्यार्थियों और उनके पालकों ने भले ही ऑन कैमरे में कुछ नही कहा, लेकिन ऑफ कैमरे में उन्होंने गणवेश की राशि शीघ्र जारी करने की मांग की है। पालकों का कहना है कि स्वतंत्रता दिवस पर बच्चों को नई गणवेश में स्कूल जाने की उम्मीद थी, लेकिन राशि नहीं मिलने के कारण यह संभव नहीं हो सका। अब कम से कम आगामी गणतंत्र दिवस सहित अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रमों से पहले राशि जारी की जाए, ताकि बच्चे नई गणवेश खरीद सकें।

यह मामला वरिष्ठ स्तर का है-बर्मन

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला शिक्षा केंद्र डीपीसी जीएस बर्मन ने बताया कि इस वर्ष गणवेश या राशि प्रदाय का जो मामला है वह वरिष्ठ स्तर का है। जिला स्तर पर पात्र विद्यार्थियों की लिस्टिंग कर उनके बैंक खाता नंबरों को अपडेट किया जा रहा है। प्रदेश स्तर से ही एक साथ सिंगल क्लिक के माध्यम से राशि डाली जानी है।

बेलगाम ट्रक की चपेट में आए 3 बाइक सवार, गम्भीर रुप से हुए घायल

थाना भरवेली के ग्राम हीरापुर के पास हुआ भीषण सड़क हादसा, तीनों घायलों को उपचार के लिए, जिला अस्पताल में कराया गया भर्ती, उपचार जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम हीरापुर के पास गुरुवार की रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया ।जहा बैहर की ओर से बालाघाट आ रहे एक बेलगाम ट्रक की चपेट में बाइक आने से बाइक सवार 3 युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में घायल तीनों युवक ग्राम जोधीटोला जरेरा के निवासी बताए जा रहे हैं ।जिन्हें स्थानीय लोगो की मदद से उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका उपचार जारी है ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनेश मर्सकोले, विजय कुसराम और सोनू मोहते किसी काम से बालाघाट आए थे। देर शाम तीनों युवक, एक ही मोटरसाइकिल से अपने गांव जोधीटोला लौट रहे थे। इसी दौरान हीरापुर के समीप सामने से आ रहे ट्रक की चपेट में उनकी बाइक आ गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।

राहगीरों ने पहुंचाया अस्पताल

हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और तीनों घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया। यहां तीनों का उपचार जारी है।

भरवेली पुलिस कर रही मामले की जांच

उधर घटना की सूचना मिलने के बाद भरवेली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस हादसे के वास्तविक कारणों के साथ ही ट्रक चालक की भूमिका की जांच कर रही है।

समस्त जिलेवासियों को बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय लालबर्रा की ओर से राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की समस्त क्षेत्रवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
हम सब ने ठाना है, शिक्षा को आगे बढ़ाना है
- शुभेच्छु -
विकास तिवारी
बालाजी ग्रुप लालबर्रा

श्री विकास तिवारी

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की समस्त विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
देश को आगे बढ़ाना है, सबको शिक्षित बनाना है
संजीत भालेकर
प्रभारी प्राचार्य
समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं व कर्मचारीगण
शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमोली (लालबर्रा)।

संजीत भालेकर
प्रभारी प्राचार्य

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की समस्त विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
आओ मिलकर कदम बढ़ाएं देश के सभी बच्चों को शिक्षित बनाएं
आर. के. कटरे
प्रभारी प्राचार्य
एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं व कर्मचारीगण
शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरगांव (लालबर्रा)।

श्री आर.के.कटरे
प्रभारी प्राचार्य

स्वतंत्रता दिवस की समस्त क्षेत्रवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

रूपचंद मानेश्वर
सरपंच

कंचना नखाते
उपसरपंच

गोविंदराम हरदे
सचिव

विनीत - रूपचंद मानेश्वर-सरपंच, कंचना नखाते-उपसरपंच, गोविंदराम हरदे-सचिव, जितेंद्र कावरे-रोजगार सहायक
एवं समस्त पंचगण व ग्रामवासी, ग्राम पंचायत पिपरिया छि. (लालबर्रा)

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की समस्त विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
हम सब ने ठाना है, शिक्षा को आगे बढ़ाना है
आर.के. बोपचे
प्रभारी प्राचार्य
एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं व कर्मचारीगण

श्री आर के बोपचे
प्रभारी प्राचार्य

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़गांव (लालबर्रा)।

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की समस्त विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
"अज्ञानता का अंधकार मिटाएं, शिक्षा का दीप जलाएं"
श्रीमती आशा शुक्ला
प्राचार्य
गोल्डन वेली पब्लिक स्कूल लालबर्रा।

श्रीमती आशा शुक्ला
प्राचार्य

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की समस्त विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
"अज्ञानता का अंधकार मिटाएं, शिक्षा का दीप जलाएं"
चंद्रपाल ऊके
प्राचार्य
शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नगपुरा लालबर्रा।

चंद्रपाल ऊके
प्राचार्य

स्वतंत्रता दिवस की समस्त क्षेत्रवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती परमिला पटले
सरपंच

श्री अशोकनाथ बड़गुजर
उपसरपंच

श्री बसंत चौरे
सचिव

श्रीमती परमिला मुन्नालाल पटले-सरपंच, अशोकनाथ बड़गुजर-उपसरपंच, बसंत चौरे-सचिव, पवन पाटिल-रोजगार सहायक
एवं समस्त पंचगण व ग्रामवासी, ग्राम पंचायत देवरी (लालबर्रा)

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की समस्त विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
आओ मिलकर कदम बढ़ाएं देश के सभी बच्चों को शिक्षित बनाएं
नैनन पटले
प्राचार्य

नैनन पटले
प्राचार्य

विवेक ज्योति हायर सेकेंडी स्कूल लालबर्रा।

स्वतंत्रता दिवस की समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती पार्वती गाड़ेश्वर
सरपंच

श्री भीवराव डोंगरे
सचिव

राधेश्याम गाड़ेश्वर
रोजगार सहायक

श्रीमती पार्वती गाड़ेश्वर-सरपंच, जयवती टेकाम-उपसरपंच, भीवराव डोंगरे-सचिव, राधेश्याम गाड़ेश्वर-रोजगार सहायक एवं समस्त पंचगण व समस्त ग्रामवासी, ग्राम पंचायत टेकाड़ी (लालबर्रा)

स्वतंत्रता दिवस की समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

ज्योति ठाकरे
सरपंच

केशव महोबे
सचिव

इंद्रकुमार गौतम
रोजगार सहायक

ज्योति ठाकरे-सरपंच, केशव महोबे-सचिव, इंद्रकुमार गौतम-रोजगार सहायक
एवं समस्त पंचगण व ग्रामवासी, ग्राम पंचायत रानीकुठार (लालबर्रा)

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की समस्त विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
आओ शिक्षा का प्रकाश फैलाएं, सभी का जीवन बेहतर बनाएं
एमंत ठाकरे
प्राचार्य

एमंत ठाकरे
प्राचार्य

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जाम लालबर्रा।

बासुंतराव ढबाले
सरपंच

बसंत चौरे
सचिव

स्वतंत्रता दिवस की समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
विनीत - बासुंतराव ढबाले सरपंच, विष्णु कुकड़े उपसरपंच, बसंत चौरे सचिव, श्रीमती दीपा बिसेन रोजगार सहायक
एवं समस्त पंचगण व ग्राम वासी, ग्राम पंचायत बम्हनी (लालबर्रा)

स्वतंत्रता दिवस की समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

ज्योति टेंभरे
सरपंच

योगराज पटले
उपसरपंच

ओमप्रकाश पटले
सचिव

श्रीमती ज्योति अनिल टेंभरे-सरपंच, योगराज पटले-उपसरपंच, ओमप्रकाश पटले-सचिव, आशीष देशमुख-रोजगार सहायक एवं समस्त पंचगण व ग्रामवासी ग्राम पंचायत खमरिया-लालबर्रा।

गणतंत्र दिवस की समस्त विद्यार्थियों, अभिभावकों
एवं क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
आओ शिक्षा का प्रकाश फैलाएं, सभी का जीवन बेहतर बनाएं
श्री टी.के. तुरकर
प्राचार्य
वैदिक कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल लालबर्रा

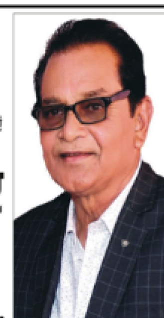
टी.के. तुरकर, प्राचार्य

स्वतंत्रता दिवस की समस्त क्षेत्रवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

सोमेश्वर मोहतुरे
सरपंच

रेवनलाल आमाडारे
उपसरपंच

योगराज टेंभरे
सचिव

अखिलेश पारधी
रोजगार सहायक

सोमेश्वर मोहतुरे सरपंच, रेवनलाल आमाडारे उपसरपंच,
योगराज टेंभरे सचिव, अखिलेश पारधी रोजगार सहायक
एवं समस्त पंचगण व ग्रामवासी, ग्राम पंचायत डोकरबंदी-लालबर्रा

स्वतंत्रता दिवस की समस्त विद्यार्थियों, अभिभावकों
एवं क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
शिक्षा है जीवन का आधार, शिक्षा बिना सब है बेकार
श्री सनत दुबे
प्रभारी प्राचार्य
एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं
व कर्मचारीगण

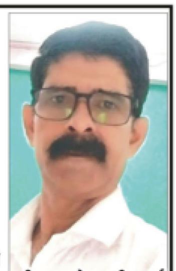
श्री सनत दुबे, प्रभारी प्राचार्य

शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लालबर्रा

स्वतंत्रता दिवस की समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती कृष्णा मानेश्वर
सरपंच

पीतम गोले
उपसरपंच

भगतराम तुलसीकर
सचिव

श्रीमती कृष्णा मानेश्वर सरपंच, पीतम गोले उपसरपंच, भगतराम तुलसीकर सचिव
समस्त पंचगण व ग्रामवासी, ग्राम पंचायत छिंदलई (लालबर्रा)

स्वतंत्रता दिवस की समस्त विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा......
"कुछ नशा तिरंगे की आन का है
कुछ नशा मातृभूमि की शान का है
हम लहराएंगे हर जगह ये तिरंगा
नशा ये हिन्दुस्तान की शान का है"
श्रीमती उषा देशमुख
प्रभारी प्राचार्य

श्रीमती उषा देशमुख
प्रभारी प्राचार्य

एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं व कर्मचारीगण
शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरगांव वा. (लालबर्रा)।

स्वतंत्रता दिवस की समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
स्कूल चले हम...खूब पढ़े हम...
6 से 14 वर्ष का हर बच्चा
पाये अनिवार्य और मुफ्त शिक्षा
देश के वीर शहीदों को शत .. शत नमन
श्रीराम तुरकर
विकासखंड स्रोत
समन्वयक अधिकारी

श्रीराम तुरकर
विकासखंड स्रोत समन्वयक अधिकारी

एवं समस्त स्टॉफ, जनपद शिक्षा केन्द्र लालबर्रा

स्वतंत्रता दिवस की समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

श्री श्यामराव डोंगरे
सरपंच

आनंद ठाकरे
उपसरपंच

श्री कोमलप्रसाद कटरे
सचिव

श्री प्रेमलाल काटेकर
रोजगार सहायक

श्यामराव डोंगरे- सरपंच, आनंद ठाकरे- उपसरपंच, कोमलप्रसाद कटरे- सचिव,
प्रेमलाल काटेकर-रोजगार सहायक
एवं समस्त पंचगण व ग्रामवासी, ग्राम पंचायत नैतरा-लालबर्रा

वारासिवनी में स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह क्लब मैदान में होगा आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के सिविल क्लब मैदान में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। अनुविभागीय दण्डाधिकारी वारासिवनी के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस वर्ष समारोह की मुख्य अतिथि जनपद पंचायत वारासिवनी की अध्यक्ष श्रीमती माया उइके होंगी। जो प्रात: 9 बजे ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगी। जहाँ सामूहिक राष्ट्रगान के बाद मुख्य अतिथि के द्वारा परेड का निरीक्षण एनसीसी कैडेट्स और शालेय छात्र छात्राओं के द्वारा मार्च पास्ट व सलामी। फिर मुख्य अतिथि के द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन कर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सम्मान। तत्पश्चात् छात्र छात्राओं के द्वारा पीटी प्रदर्शन एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण एवं कार्यक्रम का समापन। प्रशासन की ओर से अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्तिकेय जायसवाल के द्वारा वारासिवनी ने नगर के समस्त नागरिकों , जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों से समारोह में गरिमामय उपस्थिति की अपील की है।

प.दीनदयाल चौक पर समाजसेवी वीरेन्द्र जैन करेंगे ध्वजारोहण

भारतीय जनता पार्टी वारासिवनी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को पं.दीनदयाल चौक पर भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रात:8 बजे आयोजित होने वाले इस प्रथम ध्वजारोहण समारोह में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल की गरिमामयी अध्यक्षता में संपन्न होगा। जिसमें मुख्य अतिथि समाजसेवी वीरेन्द्र जैन के द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। जहां अधिकाधिक संख्या में लोगों से उपस्थित होने की अपील भाजपा मंडल अध्यक्षों के द्वारा की गई है।

भाजपा कार्यालय पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल फहराएंगे तिरंगा

स्वतंत्रता दिवस समारोह के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी कार्यालय वारासिवनी में प्रात: 8.30 बजे ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के हस्ते भाजपा कार्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फ्हराएंगे। जहां अधिक से अधिक संख्या में भाजपाइयों से उपस्थित होकर कार्यक्रम में शामिल होने की अपील संदीप मिश्रा अध्यक्ष नगर मण्डल वारासिवनी एवं मिलिन्द्र नगपुरे अध्यक्ष मण्डल रामपायली ने की हैं।

कृषि उपज मण्डी में कार्तिकेय जायसवाल करेंगे ध्वजारोहण

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर कृषि उपज मण्डी समिति वारासिवनी के द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मंडी प्रांगण में राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास और देशभक्ति के वातावरण में मनाने की पूरी तैयारी कर ली गई है। इस अवसर पर आयोजित मुख्य ध्वजारोहण कार्यक्रम में भारसाधक अधिकारी एवं आईएएस कार्तिकेय जायसवाल के हस्ते प्रात: 8 बजे विधिवत ध्वजारोहण किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक नगेन्द्र रंगारे सचिव कृषि उपज मण्डी समिति वारासिवनी ने क्षेत्र के सभी किसान भाइयों व्यापारियों एवं नागरिकों से ध्वजारोहण कार्यक्रम में उपस्थित होकर राष्ट्रीय पर्व की गरिमा बढ़ाने की अपील की है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने नगर में निकाली तिरंगा रैली

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तत्वाधान में तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। यह पैदल तिरंगा रैली अवंतीबाई स्टेडियम से निकाली गई जिसका समापन गोलीबारी चौक में विधिवत रूप से किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अवंतीबाई स्टेडियम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक एकत्रित हुए जहां से पैदल तिरंगा रैली निकाली गई। जिसमें कुछ लोगों के द्वारा हाथों में तिरंगा लेकर तो पीछे विद्यार्थियों के द्वारा करीब 30 फिट लंबा तिरंगा लेकर रैली निकाली गई। जो नगर के मुख्य चौराहा का भ्रमण करते हुए गोलीबारी चौक पहुंचे जहां शाहिद दशाराम फुलमारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

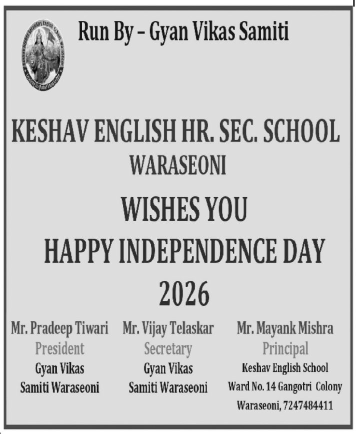

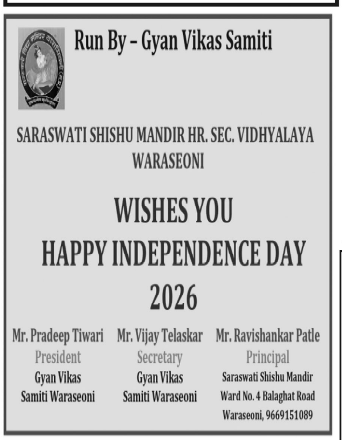

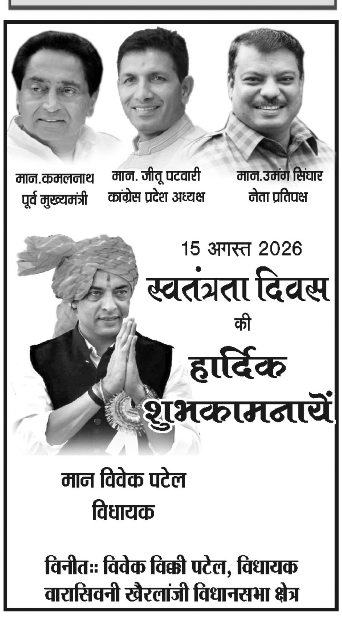

अंतर्राष्ट्रीय दबाव बेरोजगारी असमानता से जूझती आज़ादी!

इन दिनों देश आजादी की 80वीं वर्षगांठ का जशन मना रहा है। हुक्मरानों के आह्वान पर देश में घर घर तिरंगा फहराया गया । राजपथ से लेकर जनपथ तक रोशनी की झालर जगमगा रही हैं लेकिन इस खुशहाल भारत के पीछे एक और हकीकत भी छिपी है एक ओर अमेरिका का टेरिफ है चीन की दादागिरी है पाकिस्तान की साजिशें है और बेरोजगारी, गरीबी, भ्रष्टाचार, सामाजिक असमानता व सस्ते सुलभ न्याय से महरूम हिंदुस्तान, जिसमें आज भी भूख है, बेगार करने और अन्याय सहने की मजबूरी है, पूंजीवाद के हाथों में जकड़ती लोकतांत्रिक व्यवस्था है इन सबसे इतर नारे हैं उम्मीद हैं और इनके बीच बेरोजगारी महंगाई भ्रष्टाचार से कराहता आम आदमी है। हालिया आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत में बेरोजगारी दर लगभग 5.5% है, जो वैश्विक औसत (4.9%) के आसपास और कई प्रमुख जी-20 अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में स्थिर स्थिति में है, हालांकि युवाओं के बीच यह दर तुलनात्मक रूप से अधिक बनी हुई है।आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार देश में कुल बेरोजगारी दर स्थिस्थिर है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र की दर लगभग 5.1% और शहरी क्षेत्र की दर लगभग 6.4% से 6.6% के बीच दर्ज की गई है।युवा बेरोजगारी की समस्या चुनौती बनकठभारत में 15 से 29 आयु वर्ग के युवाओं में बेरोजगारी दर राष्ट्रीय औसत से अधिक (लगभग 15% से 16% के बीच) है, जो कौशल अंतराल और तकनीक-आधारित बदलावों को दर्शाती है। वैश्विक और भारतीय बाजारों में अनौपचारिक रोजगार और गुणवत्तापूर्ण पूर्णकालिक नौकरियों की उपलब्धता एक बड़ी चिंता बनी हुई है। भारत में आज भी गरीबी की समस्या विकराल बनी हुई है। भारत में 20 करोड़ से भी ज्यादा लोग ऐसे हैं, जो गरीबी रेखा से नीचे हैं और काफी मुश्किल से अपना जीवन यापन कर रहे हैं। गरीबी से जुड़े कई ऐसे आंकड़े हैं, जो वाकई डराने वाले हैं। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और सरकारी रिपोर्टों के अनुसार, भारत में अभी भी लगभग 23.4 करोड़ लोग गरीबी के स्तर पर जीवन जीने को मजबूर हैं। यह संख्या इस बात पर निर्भर करती है कि गरीबी को मापने के लिए किस मानक या पैमाने का उपयोग किया जा रहा है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक के संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक, स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर जैसे संकेतकों के आधार पर भारत में लगभग 23.4 करोड़ लोग घोर या बहुआयामी गरीबी में जी रहे हैं, जो दुनिया में सबसे अधिक है।विश्व बैंक के अत्यधिक गरीबी के आंकड़े बता रहे हैं कि विश्व बैंक के मानकों (2.15 प्रतिदिन आय) के अनुसार, भारत में अत्यधिक गरीबी में जीने वाले लोगों की संख्या घटकर लगभग 7.5 करोड़ (75 मिलियन) रह गई है। पिछले एक दशक में लगभग 26.9 से 27 करोड़ लोग इस अत्यधिक गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। यदि उच्च स्तर यानी लगभग 4.20 प्रतिदिन के मानक को देखा जाए, तो भारत की लगभग 23.9% आबादी (करीब 34.2 करोड़ लोग) आर्थिक सुरक्षा के उस दायरे से नीचे आती है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारत में कुल 21.92 फीसदी लोग गरीबी की रेखा से नीचे अपना जीवन यापन कर रहे हैं।अगर इनकी संख्या की बात करें तो ये संख्या है 2697.83 लाख यानी 26 करोड़ 97 लाख गरीब हैं, वहीं, इनमें ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा गरीबी होती हैं, क्योंकि ग्रामीण इलाकों में गरीबी का प्रतिशत 25.70 है जबकि शहरी क्षेत्र में यह प्रतिशत 13.70 फीसदी है। वहीं, कुल गरीबों में भी 21 करोड़ के करीब गरीब सिर्फ ग्रामीण इलाकों में रहते हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में 5 करोड़ गरीब लोग रहते हैं. यानी देश में गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोगों का बड़ा हिस्सा गांव में रहने वाले हैं।

आत्मनिर्भरता से विकसित भारत की ओर आजादी की उड़ान

15 अगस्त भारत के राष्ट्रीय जीवन का वह गौरवपूर्ण दिन है, जब हमारी धरती ने पराधीनता की लंबी रात के बाद स्वतंत्रता का सूर्य देखा था। 2026 में हम स्वतंत्रता का 80वां दिवस मना रहे हैं। यह केवल अतीत के गौरव को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि यह आत्ममंथन करने का भी समय है कि जिन सपनों के लिए असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया था, उन सपनों को हमने कितना साकार किया और अब 2047 में स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को कैसा बनाना है। 1947 ने हमें राजनीतिक स्वतंत्रता दी थी, लेकिन 2047 का लक्ष्य हमें आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, सामरिक और नैतिक रूप से आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत बनाने का है। स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं है। स्वतंत्रता तब सार्थक होगी, जब प्रत्येक नागरिक भय, अभाव, अशिक्षा, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की असमानता से मुक्त हो। जब व्यक्ति अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझे, जब लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सरकार बनाने की प्रक्रिया न रहकर जनकल्याण का माध्यम बने, जब राजनीति में सेवा, सार्वजनिक जीवन में शुचिता और समाज में संवेदना प्रतिष्ठित हो। आजादी की पहली पीढ़ी ने देश को गुलामी से मुक्त किया था; आज की पीढ़ी को देश को निर्भरता, पिछड़ेपन और आत्महीनता से मुक्त करना है। पिछले वर्षों में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन दिखाई देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से बार-बार देश को आत्मनिर्भरता, नवाचार और युवाशक्ति का मंत्र दिया है। 2025 के स्वतंत्रता दिवस संबोधन में उन्होंने विशेष रूप से युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, प्रतिभाशाली युवाओं और शोधकर्ताओं का आह्वान करते हुए पूछा कि भारत अपने लड़ाकू विमानों के लिए जेट इंजन स्वयं क्यों नहीं बना सकता। उन्होंने सेमीकंडक्टर से लेकर अंतरिक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी और रक्षा तक भारतीय प्रतिभा को अपनी क्षमता के बल पर आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं के विचारों को रोकने के बजाय उन्हें अवसर देने और उनके नवाचार को राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। यह बदलाव केवल भाषणों तक सीमित नहीं है। आज छोटे शहरों, कस्बों और गांवों से निकलने वाली प्रतिभाएं स्टार्टअप, अंतरिक्ष, खेल, विज्ञान, डिजिटल तकनीक और विनिर्माण के क्षेत्र में नई पहचान बना रही हैं। प्रधानमंत्री ने लाल किले से यह भी रेखांकित किया है कि भारत के युवाओं ने देश को दुनिया के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम में स्थान दिलाया है और अनेक छोटे शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के युवा नई तकनीकी संभावनाओं को जन्म दे रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत इसी बदलती मानसिकता का परिणाम है। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से कट जाना नहीं, बल्कि दुनिया के साथ बराबरी से खड़े होकर अपने सामर्थ्य के आधार पर प्रतिस्पर्धा करना है। भारत अब केवल आयात करने वाला विशाल बाजार नहीं रहना चाहता; वह निर्माण करने, नवाचार करने और दुनिया को निर्यात करने वाला देश बन रहा है। मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, फार्मा, रक्षा उपकरण, अंतरिक्ष तकनीक और डिजिटल सेवाओं में भारत की क्षमता लगातार बढ़ी है। गैर-पेट्रोलियम वस्तुओं के निर्यात ने भी नए रिकॉर्ड बनाए हैं, जबकि सेवाओं के क्षेत्र में भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति लगातार मजबूत हुई है। आत्मनिर्भरता की सबसे प्रभावशाली तस्वीर रक्षा क्षेत्र में दिखाई देती है। कभी भारत विश्व के बड़े हथियार आयातकों में गिना जाता था, लेकिन अब स्वदेशी उत्पादन और रक्षा निर्यात दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के रक्षा निर्यात ने 38,424 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड स्तर हासिल किया, जो पिछले वर्ष के 23,622 करोड़ रुपये से 62.66 प्रतिशत अधिक है। यह परिवर्तन बताता है कि भारत अब केवल अपनी सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में आगे नहीं बढ़ रहा, बल्कि विश्व के देशों को रक्षा सामग्री उपलब्ध कराने की क्षमता भी अर्जित कर रहा है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ने गोला-बारूद, हथियार, उप-प्रणालियां, प्रणालियां और महत्वपूर्ण पुर्जे लगभग 80 देशों तक पहुंचाए हैं। 2013-14 में रक्षा निर्यात महज 686 करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गयाकृअर्थात एक दशक में लगभग 34 गुना वृद्धि। यह 'मेक इन इंडिया' से 'मेक फॉर द वर्ल्ड' की यात्रा का सशक्त प्रमाण है। लेकिन आत्मनिर्भर भारत की असली परीक्षा केवल अर्थव्यवस्था और तकनीक में नहीं है। हमें ऐसा भारत बनाना है जो आत्मनिर्भर होने के साथ आत्मसंयमी भी हो, शक्तिशाली होने के साथ संवेदनशील भी हो और आधुनिक होने के साथ अपनी संस्कृति एवं नैतिक जड़ों से जुड़ा भी हो। महात्मा गांधी, भगवान महावीर और भगवान बुद्ध ने हमें बताया था कि विकास का अंतिम लक्ष्य मनुष्य की गरिमा और समाज में शांति है। यदि तकनीक बढ़ती जाए लेकिन मनुष्यता घटती जाए, यदि संपन्नता बढ़े लेकिन संवेदना कम हो जाए, यदि अधिकारों की मांग बढ़े लेकिन कर्तव्यबोध समाप्त हो जाए तो स्वतंत्रता अधूरी ही रहेगी। हमारे सामने आज भी गरीबी, बेरोजगारी, असमानता, भ्रष्टाचार, सामाजिक तनाव, हिंसा, पर्यावरण संकट और डिजिटल असमानता जैसी चुनौतियां हैं। इसलिए स्वतंत्रता दिवस केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करने का संकल्प भी है। हमें ऐसी नागरिक संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें सत्य, शुचिता, सहिष्णुता, अनुशासन, परस्पर सम्मान और राष्ट्रहित सर्वोपरि हों। लोकतंत्र की मजबूती केवल संसद या सरकार से नहीं होती; वह नागरिक के चरित्र से होती है। लोकतंत्र को मजबूत संसद के साथ मजबूत समाज और जिम्मेदार नागरिक भी चाहिए। आज का भारत विश्व की युवा शक्ति का महत्वपूर्ण केंद्र है। 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य मूलतः युवाओं का लक्ष्य है, क्योंकि आज का युवा ही 2047 के भारत का नेतृत्व करेगा। प्रधानमंत्री ने 'विकसित भारत/2047 रू वॉइस ऑफ यूथ' पहल के माध्यम से युवाओं को केवल भविष्य के लाभार्थी नहीं, बल्कि परिवर्तन के एजेंट के रूप में सामने रखा है। इसीलिए 2026 के स्वतंत्रता दिवस अभियान का केंद्र भी युवाओं को एक मजबूत, आत्मनिर्भर, नवाचारी और भविष्य के लिए तैयार भारत के निर्माण से जोड़ना है। सरकारी 'माय भारत' पहल में युवाओं की भागीदारी को विशेष महत्व दिया गया है। 2047 की यात्रा में हमें युवाओं से केवल नौकरी पाने की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए; उन्हें रोजगार देने वाला, समस्या का समाधान खोजने वाला, नवाचार करने वाला और समाज का नेतृत्व करने वाला बनाना होगा। शिक्षा को डिग्री से कौशल, कौशल से रोजगार और रोजगार से उद्यमिता की ओर ले जाना होगा। गांव का युवा भी अंतरिक्ष में अवसर देखे, छोटे शहर की बेटी भी विज्ञान और तकनीक में विश्वस्तरीय पहचान बनाए, किसान का बेटा भी एग्रीटेक उद्यमी बने और सामान्य परिवार का युवा भी स्टार्टअप के माध्यम से हजारों लोगों के लिए रोजगार पैदा करेकृयही नए भारत की तस्वीर है।

आजादी की पहली लड़ाई में युवाओं ने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत को स्वतंत्र बनाया था। 2047 के भारत की लड़ाई में युवाओं को ज्ञान, नवाचार, चरित्र, परिश्रम और राष्ट्रभावना को अपना हथियार बनाना होगा। यदि 1947 की पीढ़ी ने पूछा थाकृ'भारत को आजाद कैसे कराएं?', तो आज की पीढ़ी को पूछना होगा-'भारत को दुनिया का विकसित, समर्थ, शांतिपूर्ण और नैतिक नेतृत्व करने वाला राष्ट्र कैसे बनाएं?'स्वतंत्रता की सार्थकता इसी प्रश्न के उत्तर में छिपी है। हमें ऐसा भारत बनाना है जहां विकास की चमक के साथ मानवीयता की रोशनी भी हो; जहां विज्ञान आगे बढ़े तो संस्कार भी साथ चलें; जहां अर्थव्यवस्था मजबूत हो तो समाज भी समरस हो; जहां भारत अपनी सुरक्षा के लिए किसी पर निर्भर न हो और विश्व की शांति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

आज जब तिरंगा लाल किले की प्राचीर पर लहराएगा, तब हमें केवल यह नहीं कहना चाहिए कि भारत स्वतंत्र है, बल्कि यह संकल्प भी लेना चाहिए कि हम इस स्वतंत्रता को अधिक सार्थक, अधिक जिम्मेदार और अधिक जनकल्याणकारी बनाएंगे। 2047 का विकसित भारत सरकार का अकेला सपना नहीं, 140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक संकल्प होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने भी 2047 को नागरिकों के सपनों और संकल्पों से जोड़ते हुए स्पष्ट किया है कि विकसित भारत का निर्माण प्रत्येक भारतीय की भागीदारी से होगा। आजादी के अमृत से लेकर स्वतंत्रता के 80वें पड़ाव तक भारत ने लंबी यात्रा तय की है। अब अगला पड़ाव केवल आर्थिक शक्ति बनना नहीं, बल्कि विश्वास, विवेक, विज्ञान, संस्कार और सामर्थ्य से सम्पन्न भारत बनना है। शहीदों ने हमें स्वतंत्र भारत सौंपा था; अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम आने वाली पीढ़ी को एक ऐसा भारत सौंपें जिस पर उसे गर्व हो। 'यही स्वतंत्रता का नया आयाम है, यही 2047 की ओर बढ़ते भारत का संकल्प है और यही हमारे तिरंगे के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।'

-ललित गर्ग

ड्रग्स की गिरफ्त में देश-सुप्रीम कोर्ट ने चेताया, नशे के जाल को तोड़ने के लिए एजेंसियों को मिलकर लड़ना होगा

-कांतिलाल मांडोत

देश में नशीले पदार्थों का बढ़ता कारोबार अब केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह युवाओं के भविष्य, सार्वजनिक स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने भी सोमवार को ड्रग्स की समस्या को बेहद गंभीर बताते हुए केंद्र और संबंधित पक्षों से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए जांच और ट्रायल में तेजी, तस्करों की संपत्ति जब्त करने तथा मामलों की जांच के लिए समान प्रोटोकॉल जैसी व्यवस्थाओं की मांग की गई है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि समस्या जिस तेजी से फैल रही है, उससे निपटने के लिए विशेषज्ञ एजेंसियों को मिलकर काम करना होगा। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की ओर से सिंगापुर का उदाहरण दिया गया, जिस पर पीठ ने भारत की भौगोलिक और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की अलग परिस्थितियों की ओर ध्यान दिलाया। भारत की सीमाएं ऐसे क्षेत्रों से जुड़ी हैं जहां अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी के नेटवर्क सक्रिय रहे हैं। पंजाब, जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और समुद्री मार्गों के साथ-साथ देश के बड़े बंदरगाह और महानगर भी तस्करी के नेटवर्क की निगरानी के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। यही वजह है कि अब केवल पुलिस कार्रवाई पर्याप्त नहीं मानी जा रही है। खुफिया जानकारी, सीमा सुरक्षा, समुद्री निगरानी, वित्तीय जांच, साइबर निगरानी और अभियोजन एजेंसियों के बीच तालमेल जरूरी हो गया है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में ड्रग्स की जब्ती का पैमाना कितना बड़ा है। गृह मंत्रालय के अनुसार विभिन्न ड्रग कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने 2021 में 16,09,612 किलोग्राम, 2022 में 12,53,662 किलोग्राम, 2023 में 13,89,725 किलोग्राम और 2024 में 13,30,600 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किए। 2025 में नवंबर तक ही 11,85,994 किलोग्राम ड्रग्स की जब्ती दर्ज हो चुकी थी। इन जब्तियों का घोषित मूल्य 2021 में करीब 25,241 करोड़ रुपये, 2022 में 19,922 करोड़, 2023 में 17,179 करोड़, 2024 में 27,525 करोड़ और 2025 में नवंबर तक 16,927 करोड़ रुपये था। इन आंकड़ों से एक महत्वपूर्ण बात सामने आती है। भारत में हर साल बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ पकड़े जा रहे हैं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं लगाया जा सकता कि जितना पकड़ा गया, उतनी ही मात्रा देश में घुस रही थी। तस्करी की कुल मात्रा का कोई विश्वसनीय सरकारी अनुमान उपलब्ध नहीं है। इसलिए यह कहना कि देश में हर वर्ष इतने लाख या इतने करोड़ किलो ड्रग्स पहुंचती है, उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ों से साबित नहीं किया जा सकता। जब्ती केवल उस अवैध कारोबार का हिस्सा दिखाती है जिसे कानून प्रवर्तन एजेंसियां पकड़ पाती हैं। साल 2026 में भी कार्रवाई का सिलसिला तेज रहा है। मई में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने मुंबई क्षेत्र में एक अंतरराष्ट्रीय कोकीन नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 349 किलोग्राम हाई-ग्रेड कोकीन जब्त की, जिसकी अवैध बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1,745 करोड़ रुपये बताई गई। मई में ही 'ऑपरेशन रेजपिल' के तहत भारत में पहली बार कैप्टागन की बड़ी बरामदगी हुई। एनसीबी के अनुसार कुल 227.7 किलोग्राम कैप्टागन टैबलेट और पाउडर जब्त किया गया, जिसकी कीमत करीब 182 करोड़ रुपये आंकी गई। इस मामले में मुंद्रा, गुजरात से 196.2 किलोग्राम कैप्टागन पाउडर की बरामदगी भी हुई। गुजरात इस पूरे संकट में खास तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि राज्य की लंबी समुद्री सीमा और बड़े बंदरगाह अंतरराष्ट्रीय तस्करी के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती भी हैं और कार्रवाई का महत्वपूर्ण केंद्र भी। मई 2026 में भारतीय तटरक्षक बल और गुजरात एटीएस ने मुंद्रा तट के पास संयुक्त अभियान में करीब 115 किलोग्राम कोकीन जब्त की।

80 वाँ स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2026-लाल किले से अमेरिका में इंडिया डे तक

वैश्विक स्तरपर 15 अगस्त 2026 भारत के इतिहास में केवल एक और स्वतंत्रता दिवस नहीं होगा। यह वह अवसर है,जब देश अपनी आजादी के 80वें स्वतंत्रता दिवस का उत्सव मनाएगा और साथ ही 150 वर्ष की ऐतिहासिक यात्रा पूरी कर चुके राष्ट्रगीत वंदे मातरम् को भी विशेष राष्ट्रीय सम्मान के साथ स्मरण करेगाहालांकि 1947 से 2026तक स्वतंत्रता की अवधि 79 वर्ष पूर्ण हुई है,इसलिए संवैधानिक/ऐतिहासिक गणना में 15 अगस्त 2026 को 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह कहना अधिक उपयुक्त है। इस वर्ष का उत्सव एक ऐसे भारत की तस्वीर प्रस्तुत करता दिखाई दे रहा है,जहां अतीत की स्वतंत्रता- स्मृतियां और भविष्य की युवा आकांक्षाएं एक ही मंच पर मिल रही हैं। वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के लिए 7 नवंबर 2025 से 7 नवंबर 2026 तक राष्ट्रव्यापी वर्षभर का कार्यक्रम पहले ही शुरू किया जा चुका है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि वंदे मातरम् की इस ऐतिहासिक गूंज के साथ एक महत्वपूर्ण संवैधानिक और कानूनी अध्याय भी जुड़ चुका है। प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल हॉनर (अमेन्डमेंट) बिल,2026 को संसद में राज्यसभा ने 29 जुलाई 2026 और लोकसभा ने 30 जुलाई 2026 को पारित कियाथा। इस विधेयक पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 11 अगस्त 2026 को अपने हस्ताक्षर किए,जिसके बाद यह कानून बन गया है, अब यह राष्ट्रीय गीत को राष्ट्रीय गान के समान वैधानिक संरक्षण देने वाला कानून बनाया गया। इसके तहत राष्ट्रीय गीत के गायन को जान बूझकर रोकने या उसमें व्यवधान डालने पर वही दंडात्मक प्रावधान लागू किए गए हैं जो राष्ट्रीय गान के संदर्भ में हैं।इसलिए 15 अगस्त 2026 का लाल किला केवल अतीत को याद करने का मंच नहीं,बल्कि 2047 के विकसित भारत की दिशा निर्धारित करने वाला राष्ट्रीय संवाद बन सकता है।देश के सामने एक तरफ तिरंगे की शान, हर घर तिरंगा, तिरंगा बाइक रैलियां,सांस्कृतिक कार्यक्रम और राष्ट्रगीत की गूंज होगी, तो दूसरी तरफ बेरोजगारी प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता पेपर लीक शिक्षा कौशल रोजगार स्टार्टअप डिजिटल अर्थव्यवस्था कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानसिक दबाव और युवाओं की राजनीतिक भागीदारी जैसे सवाल भी होंगे। यही कारण है कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस को युवा शक्ति के उत्सव के रूप में देखना महज भावनात्मक विचार नहीं, बल्कि सटीकता से समय की आवश्यकता प्रतीत होता है। साथियों बात अगर हम लाल किले से 'वंदे मातरम' की गूंज और 150 वर्षों कीऐतिहासिक यात्रा को समझने की करें तो 'वंदे मातरम' केवल एक गीत नहीं,बल्कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की चेतना का एक महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है। इसे बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने 1875 में रचा था और बाद में यह स्वतंत्रता आंदोलन में राष्ट्रीय जागरण का स्वर बना। भारत सरकार ने 2025-26 को इसकी 150वीं वर्षगांठ का वर्ष घोषित करते हुए वर्षभर के राष्ट्रीय कार्यक्रमों की शुरुआत की है।15 अगस्त 2026 के समारोह में इसका विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि राष्ट्रगीत की 150 वर्ष की यात्रा को स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय मंच से जोड़ना अतीत और वर्तमान के बीच एक प्रतीकात्मक सेतु तैयार करता है। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार इस अवसर पर लाल किले से 'वंदे मातरम्' की प्रस्तुति को विशेष महत्व दिया जाएगा।यहां लोकतंत्र की एक महत्वपूर्ण कसौटी भी सामने आती है राष्ट्रप्रेम केवल कानून से पैदा नहीं होता; वह नागरिक चेतना, स्वैच्छिक सम्मान और संविधान के प्रति प्रतिबद्धता से मजबूत होता है। इसलिए 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ का वास्तविक अर्थ तभी पूर्ण होगा जब यह गीत भारतीयों को केवल अतीत के बलिदानों की याद न दिलाए, बल्कि वर्तमान में राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारी का भी एहसास कराए। साथियों बात अगर हम 80 वां स्वतंत्रता दिवस- तिरंगे के साथ युवा भारत की नई उड़ान इसको समझने की करें तो, इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस का सबसे महत्वपूर्ण संदेश संभवतः युवा भारत के नाम हो सकता है। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसका विशाल युवा वर्ग है। आज का युवा केवल नौकरी मांगने वाला नागरिक नहीं है; वह स्टार्टअप बना रहा है, डिजिटल अर्थव्यवस्था खड़ी कर रहा है, अंतरिक्ष और विज्ञान में आगे बढ़ रहा है, खेलों में विश्व मंच पर भारत का नाम रोशन कर रहा है और लोकतांत्रिक विमर्श में अपनी आवाज बुलंद कर रहा है। सरकारी माय भारत कार्यक्रम में स्वतंत्रता दिवस 2026 के लिए युवाओं की भागीदारी पर आधारित क्विज और अन्य गतिविधियां आयोजित की गईं तथा चयनित प्रतिभागियों को लाल किले के समारोह में आमंत्रित किए जाने की व्यवस्था की गई। यह स्वयं इस बात का संकेत है कि इस वर्ष समारोह में युवा सहभागिता को विशेष स्थान दिया जा रहा है।इसका व्यापक अर्थ यह है कि स्वतंत्रता दिवस का मंच अब केवल स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान की स्मृति तक सीमित नहीं रह सकता। आजादी की अगली परीक्षा यह है कि भारत का युवा अपने सपनों को अवसर में और अवसर को उपलब्धि में बदल पाता है या नहीं। युवा पूछ रहा है,शिक्षा कितनी गुणवत्तापूर्ण होगी? रोजगार कितने मिलेंगे? प्रतियोगी परीक्षाएं कितनी पारदर्शी होंगी? पेपर लीक कब रुकेगा? एआई और ऑटोमेशन के युग में भविष्य की नौकरियां कैसी होंगी? ग्रामीण और छोटे शहरों के युवाओं को समान अवसर कैसे मिलेगा? और राजनीति में युवाओं की भागीदारी केवल चुनावी नारों तक सीमित रहेगी या निर्णय-निर्माण में भी उनकी वास्तविक भूमिका बढ़ेगी ?यही वे असल सवाल हैं जो 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से निकलने वाले किसी भी युवा-केंद्रित संदेश को सटिका से ऐतिहासिक बना सकते हैं। साथियों बात कर हम संसद का मानसून सत्र- आजादी के 80 वर्ष बाद लोकतांत्रिक संवाद पर सवाल को समझने की करें तो 15 अगस्त के उत्सव से ठीक पहले 13 अगस्त 2026 को संसद का मानसून सत्र समाप्त हुआ। लेकिन इस सत्र ने लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने एक गंभीर प्रश्न भी छोड़ा है, क्या संसद वह मंच बन पा रही है जहां देश के सबसे महत्वपूर्ण सवालों पर पर्याप्त और सार्थक बहस हो? सत्र के समापन पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार लोकसभा की उत्पादकता लगभग 19 प्रतिशत, जबकि राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही। 12 विधेयक पारित हुए, लेकिन केवल एक विधेयक पर दोनों सदनों में चर्चा हुई।यहां 39 प्रतिशत का आंकड़ा विशेष रूप से ध्यान आकर्षित करता है, लेकिन यह स्पष्ट करना जरूरी है कि यह पूरी संसद की संयुक्त उत्पादकता नहीं बल्कि राज्यसभा की उत्पादकता का आंकड़ा है। लोकसभा का आंकड़ा इससे भी कम रहा। यही अंतर बताता है कि संसदीय कामकाज का संकट कितना गंभीर है।पेपर लीक और परीक्षाओं की पारदर्शिता जैसे युवा- केंद्रित मुद्दों को लेकर विपक्ष के विरोध और सरकार - विपक्ष के बीच टकराव ने सत्र के बड़े हिस्से कोप्रभावित किया। दूसरी ओर सरकार ने विपक्ष पर बार-बार सदन बाधित करने का आरोप लगाया।यह राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप अपनी जगह हैं, लेकिन नागरिक के लिए मूल प्रश्न इससे बड़ा है जिस संसद से युवा अपने भविष्य के लिए कानून और नीतियां चाहता है, क्या वहां उसके सवालों पर पर्याप्त चर्चा हो रही है? यही स्वतंत्रता दिवस 2026 का विरोधाभास भी है। एक तरफ देश लोकतंत्र की 80वीं वर्षगांठ की यात्रा का उत्सव मना रहा होगा, दूसरी तरफ संसद के कामकाज पर सवाल खड़े होंगे। इसलिए इस वर्ष तिरंगे के नीचे सबसे जरूरी संदेश शायद यही होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं; परंतु लोकतंत्र बहस, असहमति जवाबदेही और संसदीय कामकाज की संस्कृति का भी सटीकता से नाम है। साथियों बात कर हम युवा आंदोलनों ने बदला राजनीतिक विमर्श को समझने की करें तो,पिछले कुछ सप्ताहों में छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर आंदोलन और विरोध भारतीय राजनीतिक विमर्श के केंद्र में रहे हैं। पेपर लीक, प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता, रोजगार और शिक्षा जैसे विषय अब केवल परीक्षा-कक्ष की समस्याएं नहीं रह गए हैं; वे राजनीतिक जवाबदेही के प्रश्न बन चुके हैं।युवा पीढ़ी का संदेश साफ है,डिग्री चाहिए, लेकिन उसके साथ अवसर भी चाहिए; परीक्षा चाहिए, लेकिन उसके साथ निष्पक्षता भी चाहिए;विकास चाहिए, लेकिन उसके साथ रोजगार भी चाहिए।यहां 2026 का युवा आंदोलन भारतीय राजनीति को एक नई दिशा देने की क्षमता रखता है। यदि युवा केवल चुनाव के समय मतदाता न रहकर नीति- निर्माण का सक्रिय भागीदार बनता है, तो भारतीय लोकतंत्र का अगला चरण अधिक सहभागी लोकतंत्र का हो सकता है।इसीलिए प्रधानमंत्री के 15 अगस्त के संबोधन में यदि रोजगार, स्किलिंग, एआई,स्टार्टअप, खेल, शिक्षा सुधार, परीक्षा प्रणाली, युवा उद्यमिता और मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर कोई बड़ा रोडमैप सामने आता है, तो वह इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस को केवल समारोह नहींबल्कि नीति- संदेश का राष्ट्रीय मंच बना सकता है। हालांकि भाषण में क्या घोषणाएं होंगी, यह पहले से निश्चित मानना उचित नहीं होगा। साथियों बात अगर हम अमेरिका में भारत दिवस भारतीय प्रवासी की बढ़ती वैश्विक पहचान, को समझने की करें तो 15 अगस्त 2026 की विशेषता केवल भारत की सीमाओं तक सीमित नहीं है।अमेरिका के कई राज्यों द्वारा 15 अगस्त को इंडिया डे अथवा भारत के स्वतंत्रता दिवस के रूप में मान्यता दिए जाने की घोषणाएं भारत की वैश्विक सामाजिक और सांस्कृतिक उपस्थिति का उल्लेखनीय संकेत हैं।न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और मैसाचुसेट्स के बाद डेलावेयर द्वारा भी 15 अगस्त 2026 को इंडिया डे के रूप में मान्यता दिए जाने की खबर सामने आई है। इन घोषणाओं में भारतीय- अमेरिकी समुदाय की संस्कृति परंपराओं और अमेरिकी समाज में उसके योगदान को रेखांकित किया गया है। मैसाचुसेट्स में गवर्नर माउरा हीली द्वारा 15 अगस्त को इंडिया डे घोषित किए जाने की खबर पहले आई थी, जबकि न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में भी इस अवसर को आधिकारिक मान्यता देने की घोषणाएं की गईं। यह केवल प्रतीकात्मक कूटनीति नहीं है।अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों की दूसरी और तीसरी पीढ़ी अब राजनीति, विज्ञान, चिकित्सा, तकनीक, शिक्षा, व्यवसाय और सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। भारतीय प्रवासी समुदाय की यह बढ़ती उपस्थिति भारत-अमेरिका संबंधों में पीपल-टू- पीपल डिप्लोमेसी को भी मजबूत करती है।अर्थात 15 अगस्त 2026 को तिरंगा केवल दिल्ली के लाल किले पर नहीं फहराएगा; वह न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, मैसाचुसेट्स, डेलावेयर और दुनिया के अनेक हिस्सों में भारतीय मूल के लोगों की पहचान,स्मृति औरउपलब्धियों के साथ भी दिखाई देगा।जब किसी दूसरे देश के राज्य भारत के राष्ट्रीय दिवस को आधिकारिक रूप से मान्यता देते हैं, तो इसका एक सांस्कृतिक अर्थ होता है और एक रणनीतिक अर्थ भी।सांस्कृतिक अर्थ है कि भारतीय सभ्यता, भाषाओं परंपराओं और त्योहारों ने अमेरिकी समाज में अपनी जगह बनाई है।इसलिए 15 अगस्त 2026 का भारत दिवस अमेरिका में भारतीय मूल के युवाओं के लिए भी विशेष संदेश रखता है,अपनी जड़ों से जुड़े रहकर वैश्विक नागरिक बनना।आज का भारतीय युवा एक साथ दो पहचान लेकर चल सकता है,भारतीय सभ्यता का उत्तराधिकारी और वैश्विक अर्थव्यवस्था का सक्रिय भागीदार। यही भारत की सॉफ्ट पावर की सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। साथियों बात अगर हम आजादी की अगली मंजिल- 2047 का विकसित भारत को समझने की करें तो 1947 में भारत ने राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त की थी। 2026 में सवाल यह है कि 2047 तक भारत किस प्रकार की आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी और मानवीय स्वतंत्रता हासिल करना चाहता है।क्या हर युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी? क्या रोजगार की तलाश में युवाओं को अपने गांव और छोटे शहर छोड़ने की मजबूरी कम होगी? क्या भारत एआई,सेमिकंडक्टर , बायोटेक्नोलॉजी,स्पेस टेक्नोलॉजी और ग्रीन एनर्जी में वैश्विक नेतृत्व हासिल करेगा?क्या महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ेगी? क्या ग्रामीण भारत भी डिजिटल और वित्तीय अवसरों में शहरी भारत के बराबर खड़ा होगा? इन सवालों का उत्तर केवल सरकार नहीं दे सकती।इसमें उद्योग,विश्वविद्यालय,नागरिक समाज, स्टार्टअप, वैज्ञानिक समुदाय और सबसे बढ़कर युवा भारत की भागीदारी आवश्यक होगी।इसलिए 15 अगस्त 2026 को यदि कोई राष्ट्रीय संकल्प सबसे प्रभावी हो सकता है तो वह होगा, आजादी की पहली पीढ़ी ने भारत को स्वतंत्र कराया; अब नई पीढ़ी को भारत को अवसरों, ज्ञान, तकनीक, न्याय और समावेशिता में विश्व नेतृत्व तक पहुंचाना है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे f? युवा शक्ति को मिले दिशा, सपनों को मिले उड़ान15 अगस्त 2026 को जब लाल किले की प्राचीर पर तिरंगा लहराएगा और देश की करोड़ों आंखें उस दृश्य को देखेंगी, तब वह क्षण केवल इतिहास की पुनरावृत्ति नहीं होगा। वह भविष्य की ओर देखने का अवसर भी होगा। 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष हमें उस पीढ़ी की याद दिलाएंगे जिसने मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया; वहीं युवा भारत हमें उस पीढ़ी की याद दिलाएगा जिसे 2047 के भारत कानिर्माण करना है। इसलिए 15 अगस्त 2026 का सबसे बड़ा प्रश्न शायद यही होगा,क्या हम अपने युवाओं को केवल देशभक्ति का उत्साह देंगे या उन्हें उस देश को बदलने के अवसर भी देंगे जिसके लिए देशभक्तों ने अपना जीवन समर्पित किया था?

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वर्षो से उपेक्षा का दंश झेल रहे ग्रामीण पटेल, स्थाई पटेलों को नही मिल रहे अधिकार

ग्रामीण पटेल कल्याण संघ की बैठक सम्पन्न,मांगो को लेकर की नारेबाजी, सरकार पर सुनवाई नही करने का लगाया आरोप,मांग पूरी ना होने पर जताई नाराजगी, अब भोपाल पहुचकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौपने का लिया गया निर्णय

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

समय बदला,सरकारें बदल गई लेकिन ग्रामीण पटेलों को हालात अब तक नही बदले,जो पिछले कई वर्षो से शासन की उपेक्षा का दंश झेल रहे है।लाख मिन्नतों के बावजूद भी सरकार द्वारा उनकी कोई सुनवाई नही की जा रही है।जिससे जहा एक ओर स्थाई पटेल, परेशान है तो वही दूसरी ओर वर्षो से लंबित उनकी मांग पूरी ना होने पर,उनका सरकार के खिलाफ आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है।वर्षो से उपेक्षा का दंश झेल रहे ग्रामीण पटेल कल्याण संघ ने ग्रामीण पटेलो के अधिकार समाप्त करने और उन्हें मानदेय सहित अन्य सेवाओं से मुक्त करने पर अपनी नाराजगी जताते हुए प्रदेश सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया है। जिन्होंने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ग्रामीण पटेल कल्याण संघ के बैनर तले शुक्रवार को नगर के बस स्टैंड स्थित धर्मशाला में एक बैठक का आयोजन कर महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, हरियाणा सहित देश के अन्य राज्यों की तर्ज पर मध्यप्रदेश में भी पटेलों को उनके अधिकार देने, पटेलो को पूर्व में दिया गया मान सम्मान वापस दिलाने और पटेलों के महत्व को बरकरार रखते हुए उनकी समस्त मांगे जल्द से जल्द पूरी किए जाने की गुहार लगाई है।

साजिश के तहत समाप्त किए गए पटेलों के अधिकार

धर्मशाला में आयोजित इस बैठक के दौरान ग्रामीण पटेल कल्याण संघ के पदाधिकारियो में सरकार के खिलाफ खासी नाराजगी देखी गई, बैठक में बारी-बारी से अपने विचार व्यक्त करते हुए पदाधिकारियो ने बताया कि एक साजिश के तहत गांवों से पटेलो के अधिकार समाप्त किए गए हैं ताकि पटेलो का अस्तित्व ही समाप्त हो जाए, जबकि देश के अन्य राज्यों में पटेलो को न सिर्फ वहां की सरकार मानदेय दे रही है बल्कि उनका पद, उनकी जिम्मेदारी और उनकी अहमियत भी बरकरार रखी गई है, जबकि मध्य प्रदेश में पटेलो का अस्तित्व ही खत्म करने का काम किया गया है। पदाधिकारियो ने वर्षो से लंबित अपनी विभिन्न मांगों को दोहराते हुए, अब अपनी इन्ही मांगो को लेकर भोपाल पहुचकर मुख्यमंत्री से मुलाकात करने का भी निर्णय लिया हैं।

5-6 गांवों को छोड़कर,बाकी किसी भी पंचायत में नही लगी पटेले के नाम की नेमप्लेट

पदाधिकारियो ने बताया कि इसके पूर्व कमिश्नर ने आदेश जारी करते हुए सभी ग्राम पंचायत में पटेलो के नाम की नेम प्लेट लगाने,व सभी बैठको में पटेलो को स्थान देने के आदेश दिए थे। लेकिन उन आदेशों का पालन भी जिले की सभी पंचायत में नहीं किया जा रहा है महज 5-6 गांव को छोड़कर बाकी अन्य पंचायत में पटेलो के नाम की नेम प्लेट अब तक नहीं लगाई गई है।कमिश्नर के आदेश के बावजूद भी सभी पंचायत की बैठक में शामिल न करने, उनके लिए पंचायत में बैठक व्यवस्था न बनाने ,उनका नाम व मोबाइल नंबर पंचायत सूचना पटल पर दर्ज न करने पर ऐतराज जताते हुए पटेलों की जल्द से जल्द मांग पूरी ना होने पर आंदोलन की रणनीति बनाने की बात कही है।आयोजित बैठक के दौरान ग्रामीण पटेल कल्याण संघ मध्य प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल शरणागत, जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार लिल्हारे,कोषाध्यक्ष छुड़ामन सिंह शिवहरे, तहसील अध्यक्ष उदेलाल डहारे, प्रांतीय अध्यक्ष विश्वनाथ नगपुरे, सदस्य दीपचंद रनगिरे, सुरेंद्र सिंह चौहान मुकेश दशिरिये सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी सदस्य व विभिन्न स्थानों से आए पटेल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इन मांगों पर की चर्चा

राजस्व की वसूली करने के पटेल को अधिकार दिए जाने, किस्त बंदी के कार्य प्रतिवर्ष पटेलों को देंने, जिन ग्रामों में ग्रामीण पटेल के पद रिक्त है, उनको यथाशीघ्र भरे जाने, ग्रामीण पटेल जो पूर्व में थे, उनको यथावत रखने, भू-राजस्व संहिता की धारा 222 से 229 की अधिकार की जिम्मेदारी पटेलों को दी जाने। ग्राम पंचायत के मनोनीत पंच एवं आम सभा में पटेलो को प्रतिनिधि बनाने, कोई भी जांच पटेल के समक्ष करने, ग्रामीण पटेल को प्रतिवर्ष मानदेय के रूप में उचित पारिश्रमिक देने, ग्रामीण पटेल को वर्तमान में छत्तीसगढ़ / महाराष्ट्र / हरियाणा एवं अन्य प्रांतों में जिस प्रकार से प्रतिमाह मानदेय दिया जाता, उसी प्रकार म.प्र. के समस्त ग्राम पटेलों को मानदेय देने, संगठन में महिला एवं पुरूष कार्यकारिणी में पद अधिकारी है,जिनकी मिटिंग 2-2 माह में राजधानी भोपाल में की जाती है। संगठन के पदाधिकारियों को रूकने का साधन नहीं है, इसलिए संगठन के नाम से एक आवास मकान कार्यालय हेतु स्वीकृत कराया जाने, सहित बैठक के दौरान अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई।जिसमे सबसे प्रमुख मुद्दा सचिवो द्वारा ग्राम पंचायत में बैठक व्यवस्था ना बनाना और पटेलों को बैठक आमसभा में आमंत्रित नही करने का रहा, जिसपर पटेलों में भारी आक्रोश देखा गया है।

महज कागजों में सिमट कर रहे गए कमिश्नर के आदेश, सीएम से करेंगे चर्चा- अध्यक्ष

आयोजित बैठक को लेकर की गई चर्चा के दौरान ग्रामीण पटेल कल्याण संघ मध्य प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल शरणागत,और जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार लिल्हारे ने बताया कि हमें शासन के आदेशानुसार अधिकार नहीं मिल रहे हैं। पटेलो को पंचायत में बैठने के लिए स्थान नहीं दिया जा रहा है और ना ही पंचायत मीटिंग में या आमसभा में उन्हें बुलाया जा रहा है। पटेलो को पंचायत में कोई सम्मान भी नहीं मिल रहा है। जबकि इसके पूर्व ,कमिश्नर और शासन ने आदेशित किया था कि ग्रामीण पटेलो को पंचायत में बैठने का स्थान दिया जाए, उन्हें हर मीटिंग में बुलाया जाए। लेकिन यह आदेश सिर्फ कागजों तक सीमित है। उसका परिपालन पंचायत स्तर में नहीं हो रहा है। सचिव भी शासन के आदेश की अवहेलना कर रहे हैं। उसी को लेकर आज यह बैठक बुलाई गई है जिसमें पटेलो के लिए पंचायत में बैठक स्थान, नेम प्लेट, मोबाइल नंबर प्रदर्शित करने सहित वर्षों से लंबित अन्य मांगों को लेकर चर्चा की जा रही है आगामी समय में इन्हीं मांगों को लेकर भोपाल में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर उन्हें स्मरण पत्र सौपा जाएगा। हमें पूरी उम्मीद है कि सरकार हमारी सभी मांगो को पूरा करेंगी और पूर्व में पटेलो को जो अधिकार प्राप्त थे, वह अधिकार पुन: पटेलों को प्राप्त होंगे।

कायदी में 16 अगस्त को हर्षोल्लास से मनेगी वीरांगना अवंती बाई लोधी की जयंती

सभा मंच के सौंदर्यीकरण की पहल

नाली को सीमेंट-कंक्रीट से ढकने की ग्रामीणों ने उठाई मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम कायदी में वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की जन्मजयंती 16 अगस्त को हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। आयोजन को लेकर ग्रामीणों द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसी क्रम में 14 अगस्त को ग्रामीण नागरिकों ने वीरांगना अवंती बाई लोधी सभा मंच के आसपास साफ-सफाई कर कार्यक्रम के लिए स्थल को तैयार किया।ग्राम कायदी के हाई स्कूल के समीप कुछ वर्ष

पूर्व वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी का सभा मंच बनाकर उनकी प्रतिमा स्थापित की गई थी। वर्तमान में यह स्थान वीरांगना अवंती बाई लोधी चौक के नाम से जाना जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि यह स्थल क्षेत्र के लिए गौरव और प्रेरणा का केंद्र है। इसलिए इसके बेहतर रखरखाव और सौंदर्यीकरण की आवश्यकता है।सभा मंच के बाजू से मुख्य नहर से जुड़ी एक लंबी नाली बनी हुई है। जिसके माध्यम से बस्ती के आगे स्थित कृषि क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी पहुंचाया जाता है। ग्रामीणों के अनुसार नाली के कारण सभा मंच की दीवार को नुकसान का खतरा बना हुआ है। यदि नाली का सीमेंट-कंक्रीट से पक्का निर्माण कर उसे ऊपर से ढक दिया जाए तो इससे एक ओर सिंचाई व्यवस्था सुरक्षित रहेगी वहीं दूसरी ओर सभा मंच का सौंदर्यीकरण भी बेहतर ढंग से किया जा सकेगा। 16 अगस्त को होने वाले कार्यक्रम को लेकर आयोजित बैठक में आगामी समय में सभा मंच के विकास एवं सौंदर्यीकरण सहित अन्य जनहित के मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किए जाने की बात कही गई है। ग्रामीणों ने मांग की है कि संबंधित विभाग एवं जनप्रतिनिधि इस दिशा में पहल करें, ताकि वीरांगना अवंती बाई लोधी की स्मृति से जुड़े इस स्थल को व्यवस्थित और आकर्षक स्वरूप दिया जा सके। सफाई अभियान में ग्रामीण नागरिक आसाराम सुलाखे, त्रिवेंद्र नगपुरे, कन्छुलाल माहुले, सुखलाल बाजनघाटे, शिव डहरवाल एवं गोविंद मसखरे सहित अन्य ग्रामीणों ने सहभागिता की और 16 अगस्त के आयोजन के लिए सभा मंच परिसर को तैयार किया।

समस्त क्षेत्रवासियों, बालाघाट एक्सप्रेस के सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं को राष्ट्रीय पर्व
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
शुभेच्छु-राजकुमार मेश्राम
संवाददाता (बालाघाट एक्सप्रेस)
हट्टा-जिला बालाघाट

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री आशीष मड़ावी सरपंच
आशीष बिसराम मड़ावी सरपंच, श्रीमती दुर्गावती अशोक लिल्हारे उपसरपंच, किशोर दिनेवार सचिव, संजय बावनकर सहायक सचिव, एवं समस्त पंचगण, ग्राम पंचायत नाहरवानी, जनपद पंचायत बालाघाट

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
शुभेच्छु श्री सुरेश गौतम प्राचार्य
समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं पालकगण
शा.उ.मा.विद्यालय, कुण्डामोहगांव खुर्द

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती तनुजा गड़पाले सरपंच
श्रीमती तनुजा विजय गड़पाले सरपंच, भिकुराम मात्रे उपसरपंच, बलराम कावरे सचिव, पंकज पांचे सहायक सचिव, एवं समस्त पंचगण, ग्राम पंचायत गोदरी, जनपद पंचायत किरनापुर

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती सरीता मात्रे सरपंच
श्री धनराज मात्रे सरपंच पति
श्रीमती सरीता धनराज मात्रे सरपंच, श्रीमती आशा डोंगरे उपसरपंच, श्री श्यामुलाल खर्रे सचिव, श्री खेमराज मात्रे सहायक सचिव एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत डोंगरगांव, जनपद पंचायत किरनापुर

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री संतोष कुमार चौधरी सरपंच
श्री संतोष कुमार चौधरी सरपंच, राजेश चौधरी उपसरपंच, श्रीमती निशा पटले सहायक सचिव एवं समस्त पंचगण, ग्राम पंचायत हरदोली, जनपद पंचायत बालाघाट

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती मीना बागड़े सरपंच, दीपक दमाहे उपसरपंच, सेवराम पांचे सचिव, शांतीलाल बिसेन सहायक सचिव, एवं समस्त पंचगण, ग्राम पंचायत परसवाड़ा, जनपद पंचायत बालाघाट

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती पुष्पलता पांचे सरपंच
श्रीमती पुष्पलता डोमाजी पांचे सरपंच, जगपाल पिछोड़े उपसरपंच, बालचंद गुर्जर सचिव, धनेन्द्र पटले सहायक सचिव, एवं समस्त पंचगण, ग्राम पंचायत सिगोड़ी, जनपद पंचायत किरनापुर

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती कांता नगपुरे सरपंच
श्री अशोक नगपुरे
श्रीमती कांता अशोक नगपुरे सरपंच, संतोष कुथे उपसरपंच, सचिव बालचंद गुर्जर, महेश कोशारकर सहायक सचिव एवं समस्त पंचगण, ग्राम पंचायत पाथरी, जनपद पंचायत किरनापुर

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती ममता बिसेन सरपंच
रमेश बिसेन सरपंच पति
श्रीमती ममता रमेश बिसेन सरपंच, नंदकिशोर डेकवार उपसरपंच, डोमाजी पांचे सचिव, श्रीमती इस्मिता सहारे सहायक सचिव, एवं समस्त पंचगण, ग्राम पंचायत सारद, जनपद पंचायत किरनापुर

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती योगीता तरवरे सरपंच
श्री रविन्द्र तरवरे सरपंच पति
श्रीमती योगीता तरवरे सरपंच, पवन पारधी उपसरपंच, श्यामु पांचे सचिव, श्रीमती रेखा पटले सहायक सचिव, एवं समस्त पंचगण, ग्राम पंचायत मोहगांव खुर्द, जनपद पंचायत किरनापुर

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती अल्केश्वरी राहंगडाले सरपंच
अमृतलाल राहंगडाले सरपंच पति
श्रीमती अल्केश्वरी अमृतलाल राहंगडाले सरपंच, श्री योगराज पटले उपसरपंच, श्री लक्ष्मीचंद बाहे सचिव, श्री दीपक जामरे सहायक सचिव, एवं समस्त पंचगण, ग्राम पंचायत भालवा, जनपद पंचायत किरनापुर

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री राधेश्याम मते सरपंच
राधेश्याम मते सरपंच, संतोष बिसेन उपसरपंच, साधना नगपुरे सचिव, संतोष बम्बुरे सहायक सचिव, एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत केशलेवाड़ा, जनपद पंचायत बालाघाट

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री ताराचंद बघेले सरपंच
ताराचंद बघेले सरपंच, रूकनलाल ठाकरे उपसरपंच, नेमराज रंगारे सचिव, छमेन्द्र राहंगडाले सहायक सचिव एवं समस्त पंचगण, ग्राम पंचायत निम्देवाड़ा, जनपद पंचायत किरनापुर

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री उमेश मात्रे सरपंच
श्री उमेश भादूलाल मात्रे सरपंच, बनवाशी खरे उपसरपंच, गणेश उइके सहायक सचिव, एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत डूण्डासिवनी, जनपद पंचायत किरनापुर

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री पीतमलाल पांचे सरपंच
पीतमलाल पांचे सरपंच, टानीराम पांचे उपसरपंच, लालजी दमाहे सचिव, युगल किशोर सहायक सचिव एवं समस्त पंचगण, ग्राम पंचायत खोड़सिवनी, जनपद पंचायत बालाघाट

दिनेश रामटेक्कर-संवाददाता

बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय लांजी की ओर से समस्त क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

Happy Independence Day
15TH AUGUST

लांजी क्षेत्र का पहला सर्वसुविधा युक्त हॉस्पिटल, 24 घंटे सेवा उपलब्ध, प्रशिक्षित डाक्टर्स के द्वारा सभी रोगो का उपचार।

पता- दखनीटोला मार्ग लांजी

सचिव- सचिन अग्रवाल, सांवरिया सेठ जनकल्याण समिति लांजी

एस. एस. हॉस्पिटल लांजी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

सरपंच श्रीमती सुकमन धनराज चौधरी
उपसरपंच राजेश महेरबान
सचिव - हेमेंद्र येरपुड़े
सहायक सचिव - शंकरलाल बोरवे

समस्त पंचगण ग्राम पंचायत भुरसाडोंगरी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

Happy Independence Day
15TH AUGUST

संचालक- संतोष मोरघड़े, प्राचार्य महेन्द्र कुमार दुरूगकर, प्रधानपाठिका- श्रीमती एन. सोनवाने, टीटीओ- संदीप रामटेककर

6-एमपी कॉय एनसीसी ग्रुप लांजी एवं समस्त शाला परिवार साकेत पब्लिक स्कूल लांजी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

Happy Independence Day
15TH AUGUST

कंपोजिट देशी विदेशी शराब दुकान लांजी, लायसेंसी विनो ट्रेडिंग प्राईवेट लिमिटेड

कार्यालय नगर परिषद लांजी जिला बालाघाट म.प्र.

नगरीय क्षेत्र के प्रिय नागरिकों,
मध्यप्रदेश के अमर शहीदों को नमन करते हुये 15 अगस्त 2026 स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ, नगर परिषद लांजी के द्वारा अपील की जाती है कि

1. स्वच्छ भारत मिशन अन्तर्गत नगर/ वार्डो में साफ सफाई रखने में सहयोग एवं डस्टबीन का उपयोग अपेक्षित।
2. संपतिकर /जलकर एवं अन्य कर नियमित रूप से प्रतिवर्ष जमा कर नगर विकास में सहयोग अपेक्षित।
3. हरित अभियान के तहत अधिक से अधिक पौधारोपण हेतु सहयोग अपेक्षित।

श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले
अध्यक्ष, नगर परिषद लांजी

संदीप रामटेक्कर
उपाध्यक्ष, नगर परिषद लांजी

मयूर वाहने
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद लांजी

समस्त सभापति एवं सर्वश्री पार्षद गण, अधिकारी कर्मचारी नगर परिषद लांजी जिला बालाघाट मप्र.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

Happy Independence Day
15TH AUGUST

श्रीमती वंदना वैद्य

संचालक- श्रीमती वंदना वैद्य
फोटो -श्रीमती वंदना वैद्य
एवं समस्त महाविद्यालय परिवार
पाली एकेड्मिक इंस्टीट्यूशन बिसोनी, लांजी
तह. लांजी. जिला. बालाघाट मप्र.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

प्रमोद कुमार भिमटे
विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी एवं प्राचार्य पी एम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी

विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय लांजी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

सरपंच - प्रभुशंकर भर्रे
उपसरपंच- गिरधारी ठाकरे
सचिव- चन्द्रप्रकाश रावते
सहा. सचिव - माधुरी पारधी

समस्त पंचगण ग्राम पंचायत मोहारा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

सरपंच - श्रीचंद कामड़े
उपसरपंच - राजेश्वर दांदरे
सचिव - रवि वासनिक
सहायक सचिव - श्रीमती ललीता बाघ

समस्त पंचगण ग्राम पंचायत घोटी (नंदोरा)

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

सरपंच - श्रीमती वर्षा विजय वारे
उपसरपंच- पवन सीतमलाल कश्यप
सचिव - निलेश्वर मोरघड़े
सहायक सचिव - सुनील हरडे

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत बिसोनी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

सरपंच-श्रीमती सुनैना जतिन नगपुरे
उपसरपंच-डॉ.बसंतकुमार हरिनखेड़े
सचिव-अशोक भाजीपाले
सहसचिव-हेमंत डेकवार

समस्त पंचगण ग्राम पंचायत कुलपा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

सरपंच - ताराचंद कुवलाहे
उपसरपंच- संजय धारणे
सचिव- ऋषि मस्करे
सहा. सचिव - नोहरलाल पिपरेवार

समस्त पंचगण ग्राम पंचायत दुलापुर

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

सरपंच - कु.शिविका पालेवार
उपसरपंच - मोहनलाल खुड़शाम
सचिव - सुरेन्द्र दमाहे

समस्त पंचगण ग्राम पंचायत दहेगांव

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

सरपंच - महेंद्र कुमार बोरकर
उपसरपंच - ईश्वर सिंह परिहार
सचिव - युगलकिशोर कलपुरे
सहायक सचिव - हरीश आसटकर

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत कटंगी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

सरपंच-श्रीमती ठगूबाई मोहनलाल बिछोड़े
उपसरपंच-उषाबाई दुरूगकर
सचिव-पवन कंकरायने
सहायक सचिव-प्रदीप कुमार रावते

समस्त पंचगण ग्राम पंचायत अमेड़ा पा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

सरपंच-गणेशराम नारनौरे
उपसरपंच - महेन्द्र सिंह उमरे
सचिव - राजकुमार कावड़े

समस्त पंचगण ग्राम पंचायत पालडोंगरी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

प्राचार्य बी.आर गुरदे, उप प्राचार्य प्रवीणचन्द्र साहू,
एवं पालक शिक्षक संघ, समस्त शिक्षक शिक्षिकाएें एवं स्टाफ।

सीएम राईज शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला बोलेगांव

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भानेगांव

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

संचालक- आशाराम कुशले
प्रधानपाठका- श्रीमती ममता कुशले
समस्त शिक्षक शिक्षिकाऐं, एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल भानेगांव
स्व.श्री महेश कुशले शिक्षा एवं जनकल्याण समिति भानेगांव।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुम्हारीकला

ललित कबीरे

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

सरपंच-ललीत कबीरे, उपसरपंच-प्रमोद बापुरे
सचिव-अनिल कामड़े, सहसचिव-नरेंद्र गजभिए

समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी पंचायत आवा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

श्री कुंजीलाल धुर्वे

परिक्षेत्र अधिकारी, उत्पादन वन मंडल लांजी

श्रीमती स्नेहा बागड़े

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

सरपंच-श्रीमती स्नेहा बागड़े, उपसरपंच-निलेश शिवणकर
सचिव-संतोष बैस, सहसचिव-धनेश रतोने

समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी पंचायत कारंजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

निर्देशक- विभा अनिल तिवारी
प्राचार्य - हेमन्त बनकर
समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं एवं छात्र छात्राएं

सेन्ट्रल इंडिया एकेडमी हायर सेकेण्डरी स्कूल लांजी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं

अध्यक्ष श्री बारेलाल बडवैया, व्यवस्थापक - श्री विजय रामटेक्कर, प्राचार्य श्री दिनेश गिरी गोस्वामी। समस्त पदाधिकारी कोटेश्वर ज्ञानपीठ समिति लांजी, आचार्य एवं भैया बहिन परिवार कोटेश्वर ज्ञानपीठ समिति लांजी द्वारा संचालित

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी

कुंडेकसा, मछुरदा, गठिया, बोंदारी और घुम्मुर में स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेने पहुंचे आयुक्त धनराजू एस

बैगा बहुल गांवों में बीमारी की स्थिति का लिया जायजा, कुंडेकसा के अस्थाई अस्पताल का किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्वास्थ्य विभाग के आयुक्त श्री धनराजू एस ने शुक्रवार 14 अगस्त को बिरसा विकासखंड के बीमारी से प्रभावित बैगा जनजाति बहुल ग्राम कुंडेकसा, मछुरदा, गठिया, बोंदारी एवं घुम्मुर का भ्रमण कर बीमारी की स्थिति एवं स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया।

भ्रमण के दौरान आयुक्त धनराजू एस ने कुंडेकसा में बीमारी से प्रभावित लोगों की जांच एवं उपचार के लिए बनाए गए अस्थाई अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में उपचाररत मरीजों से चर्चा कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही उपचार सुविधाओं के संबंध में स्वास्थ्य अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। आयुक्त ने ग्रामों के भ्रमण के दौरान ग्रामीणों से भी चर्चा की और उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं एवं जरूरतों की जानकारी ली। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

स्वास्थ्य आयुक्त श्री धनराजू एस ने बिठली एवं सोनगुड्डा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा बैहर के सिविल अस्पताल का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध व्यवस्थाओं, मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं तथा स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। आयुक्त श्री धनराजू एस ने सिविल अस्पताल बैहर में चिकित्सकों एवं अधिकारियों की बैठक लेकर प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी बनाने तथा प्रभावित ग्रामों के प्रत्येक व्यक्ति की स्क्रीनिंग करने के निर्देश दिये। उन्होंने ग्रामीणों को स्वच्छता एवं बीमार पडने पर अस्पताल में उपचार कराने के लिए जागरूक करने के निर्देश भी दिये।

भ्रमण के दौरान बैहर एसडीएम श्री अर्पित गुप्ता, डॉ. अश्विन भागवत, उपसंचालक आईडीएसपी, डॉ. हिमांशु जायसवार, उपसंचालक एनवीबीडीसीपी, डॉ. आशीष सक्सेना, उपसंचालक एनसीडी, डॉ. सौरभ पुरोहित, उपसंचालक टीकाकरण, एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस व्याख्यान माला का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उ%च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में 14 अगस्त को हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस व्याख्यान माला एवं मौन श्रध्दांजलि कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र%वलित कर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात देश के अमर शहीदों, विभाजन विभीषिका के पीड़ितों को श्रध्दांजलि अर्पित कर उन्हे याद किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्ष 1947 में देश के विभाजन के दौरान विस्थापन, हिंसा एवं पीडा झेलने वाले लोगों के संघर्ष और बलिदान को स्मरण करना तथा उन्हें श्रध्दांजलि अर्पित करना था। डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम द्वारा विभाजन विभीषिका के माध्यम से छात्रों को देश के प्रति प्रेम एवं अमर शहीदों के त्याग का स्मरण करवाया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. देवराज चौरे ने कहा कि विभाजन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और उसके सामाजिक प्रभावों पर प्रकाश डाला। प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने अपने व्याख्यान में अतीत की त्रासदी से सीख लेते हुए राष्ट्रीय एकता, अखंडता, भाईचारे, शांति एवं सद्भाव को मजबूत करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. आशा कारे एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती अनिभा शरणागत के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुमन बरवा, डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, नरेश सौलखे, डॉ. ह्षिकेश पटेल, श्रीमती संध्या भलावे, श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, मनीष शिवहरे, डॉ. कामाक्षा बिसेन, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमति वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

देश की वास्तविक आजादी को अंतिम छोर तक पहुंचाना ही रैली का मुख्य उद्देश्य-प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भारतीय जनता पार्टी के तत्वाधान में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र में एक भव्य तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया गया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के कुशल नेतृत्व में निकाली गई इस रैली से पूरा नगर देशभक्ति के वातावरण में सराबोर हो गया। रैली के दौरान कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। भाजपा कार्यालय वारासिवनी से शुरू हुई यह भव्य बाइक रैली नगर के प्रमुख मार्गों एवं चौराहों से होकर गुजरी। हाथों में लहराता राष्ट्रध्वज तिरंगा और भारत माता के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। इस रैली का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों और विशेषकर युवाओं में राष्ट्र के प्रति प्रेम, निष्ठा एवं सम्मान की भावना को बढ़ाना तथा आगामी आजादी के पर्व पर सभी को अपने अपने घरों में तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करना था। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की हम सभी ने आजादी की 80 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान के तहत इस बाइक रैली में बेहद उत्साह के साथ भाग लिया है। देश के महान पुरुषों और असंख्य अमर शहीदों के कठिन संघर्ष व बलिदान के बल पर ही हमें यह आजादी मिली है। हमारी यह नैतिक जिम्मेदारी है कि आजादी के प्रतीक इस तिरंगे को समाज के प्रत्येक वर्ग और अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं। इस तिरंगा रैली का मुख्य उद्देश्य देश की वास्तविक आजादी को मजबूती के साथ हर कोने तक पहुंचाना है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपाध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ,पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, पूर्व महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती निर्मला पटले, रीना कासल, निरंजन बिसेन ,प्रदीप शरणागत, चिरौंजी पारधी, रिधनलाल चौहान, प्रबल जायसवाल, मिलिंद नगपुरे ,संदीप मिश्रा सहित पार्षदगण मंडल पदाधिकारी तथा सैकड़ों की संख्या में उत्साहित कार्यकर्ता शामिल हुए।

शहीद पार्क लोकार्पण के साथ बालाघाट के वीर शहीदों को नमन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट जिले के समस्त नागरिकों को नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत ठाकुर की ओर से स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त हमारे लिए केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि उन असंख्य वीर बलिदानियों को स्मरण करने और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन अवसर है, जिनके त्याग और बलिदान के कारण आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं। आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम सभी अपने-अपने घरों पर तिरंगा ध्वज अवश्य फहराएं, आजादी की खुशियां मनाएं और राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करें। इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस बालाघाट जिले के लिए विशेष और ऐतिहासिक भी है। एक ओर हम देश की आजादी का पर्व मना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर बालाघाट जिले के नक्सल मुक्त होने की खुशी भी हमारे लिए गौरव का विषय है। बालाघाट जिले ने लगभग 35-40 वर्षों तक नक्सलवाद की पीड़ा और चुनौती को झेला है। इस संघर्ष के दौरान हमारे जिले और प्रदेश के अनेक पुलिसकर्मियों, सीआरपीएफ तथा हॉक फोर्स के वीर जवानों ने नक्सली घटनाओं का सामना करते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। अंबेडकर चौक स्थित शहीद पार्क मुख्य रूप से इन्हीं वीर जवानों के बलिदान को समर्पित होगा। श्रीमती भारती सुरजीत ठाकुर ने कहा कि इस पार्क का उद्देश्य केवल शहीदों को श्रद्धांजलि देना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को बालाघाट के उस इतिहास से परिचित कराना भी है, जिसमें जिले ने लंबे समय तक नक्सलवाद की चुनौती का सामना किया और हमारे वीर जवानों ने अपने अदम्य साहस एवं बलिदान से इस संघर्ष को समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शहीद पार्क में वीर शहीद जवानों के चित्र एवं उनके जीवन, सेवाकाल तथा बलिदान से संबंधित जानकारी वाली प्रकाश पट्टिकाएं लगाई जाएंगी, ताकि बच्चे और युवा यह जान सकें कि बालाघाट ने किस कठिन दौर का सामना किया और आज नक्सलवाद से मुक्त होकर विकास की नई संभावनाओं की ओर कैसे आगे बढ़ रहा है। नक्सलवाद की समाप्ति के बाद बालाघाट में उद्योग-धंधों, व्यापार, पर्यटन एवं अन्य आर्थिक गतिविधियों के विस्तार की नई संभावनाएं बनी हैं। आज जिले में शांति, सुरक्षा और विकास का वातावरण है। यह नई तस्वीर उन वीर जवानों के बलिदान की भी देन है, जिन्होंने हमारी सुरक्षा और भविष्य के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। उन्होंने बताया कि शहीद पार्क का भविष्य में विस्तार करते हुए इसे डीआईजी कार्यालय एवं कोतवाली होते हुए मोती उद्यान तक विकसित करने की योजना है, ताकि इस पूरे क्षेत्र को शहीदों की स्मृतियों और उनके बलिदान की गौरवगाथा से जोड़ा जा सके। नगरपालिका अध्यक्ष ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि आइए, इस स्वतंत्रता दिवस को हम सभी मिलकर उत्सव के रूप में मनाएं। युवा हों, बच्चे हों, बुजुर्ग हों या मातृशक्ति—हर नागरिक अपने घर पर तिरंगा फहराए, आजादी की खुशियां मनाए और देश की स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले वीर बलिदानियों के प्रति कृतज्ञता एवं सम्मान व्यक्त करे। तिरंगा हमारी आन, बान और शान है। आइए, हर घर तिरंगा फहराएं और स्वतंत्रता के इस महापर्व को पूरे उत्साह, गौरव एवं देशभक्ति के साथ मनाएं।

प्रतिष्ठित व्यवसायी प्रकाशचंद दुग्गड़ का शोकाकुल माहौल में किया गया अंतिम संस्कार

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं महेन्द्र किराना दुकान के संचालक 75 वर्षीय प्रकाशनचंद दुग्गड़ का 13 अगस्त की रात करीब 12 बजे हद्‌यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार 14 अगस्त को दोपहर 2 बजे स्थानीय मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतिष्ठित व्यवसायी, महेन्द्र किराना दुकान के संचालक प्रकाशचंद दुग्गड़ विगत माह से गंभीर बीमारी से ग्रसित थे और घर पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे। 13 अगस्त की रात करीब 12 बजे अचानक तबियत खराब होने एवं हद्‌यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। जिनके निधन की खबर लगते ही चित-परिचितों एवं परिजनों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। स्व. श्री दुग्गड़ सरल, स्वभाव एवं मृदुभाषी के धनी थे, अपने पीछे दो पुत्र एवं एक पुत्री सहित भरापुर परिवार छोड़ गये है। जिनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को दोपहर 2 बजे मानपुर स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने दो मिनट का मौन धारण कर मृतात्मा की शांति एवं परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है।

आन बान शान के साथ आज लांजी में मनाया जायेगा स्वतंत्रता दिवस समारोह

सुभाष चौक में विधायक राजकुमार कर्राहे तथा वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम में जनपद अध्यक्ष अर्चना खोंगल करेंगे ध्वजारोहण

पद्मेश न्यूज। लांजी। आज लांजी में आजादी की 80वीं वर्षगांठ स्वतंत्रता दिवस समारोह आन बान शान के साथ मनाया जायेगा। कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रातः 7:15 बजे नगर परिषद कार्यालय में अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले के द्वारा तथा गांधी चौक में सभापति श्रीमती शिखा कैलाश गोस्वामी के द्वारा तथा 8 बजे नगर के हृदय स्थल सुभाष चौक में लांजी किरनापुर क्षेत्र के विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सभापति श्रीमती शिखा गोस्वामी, किशोर रामटेक्कर, विजय गोस्वामी, दिनेश कचवाहे, कस्तुरा वाकड़े, पार्षद गण संजय सैय्याम, श्रीमती विभा तिवारी, श्रीमती पूनम आसटकर, श्रीमती प्रेंमलता खोब्रागड़े, श्रीमती कल्पना डोलस, श्रीमती तेजेश्वर गोदुले, सौरभ मोनू पशीने, मुकेश रणदिवे, मनोनित पार्षद गण आलोक चौरसिया, अविनाश रैंच, श्रीमती सुशीला दुग्गड़, श्रीमती प्रगति पालीवाल, सांसद प्रतिनिधि राकेश रामटेक्कर, विधायक प्रतिनिधि कैलाश पुरी गोस्वामी की प्रमुख उपस्थिती ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न होगा।

मुख्य समारोह विरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम मे होगा आयोजित

लांजी क्षेत्र का मुख्य समारोह नगर के सालेटेकरी मार्ग पर स्थित वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम में प्रातः 09 बजे से आयोजित किया गया है जहां जनपद अध्यक्ष श्रीमती अर्चना खोंगल के द्वारा तय कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 09 बजे समस्त अतिथियों की उपस्थिती में ध्वजारोहण किया जायेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, पूर्व विधायक हिना कावरे, पूर्व विधायक किशोर समरीते, कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती अर्चना खोंगल जनपद अध्यक्ष लांजी, श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले अध्यक्ष नगर परिषद लांजी। विशिष्ट जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे, नप लांजी उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर, जिला पंचायत सदस्य दुलीचंद राजनीरे, श्रीमती ज्योति उमरे, श्रीमती मीना दशरिया, पूर्व जनपद अध्यक्ष अमृत लाल मेश्राम, पूर्व जनपद अध्यक्ष देवेन्द्र खोंगल, समस्त सभापति एवं जनपद सदस्य जनपद लांजी तथा समस्त सभापति एवं पार्षद गण नगर परिषद लांजी, आमंत्रित अतिथि, गणमान्य नागरिक, स्कूली छात्र छात्रायें, शिक्षक शिक्षिकाऐं, समस्त अनुविभाग प्रशासन लांजी की गरिमामयी उपस्थिती में स्वतंत्रता दिवस समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। तय कार्यकम के अनुसार प्रातः 08:55 को अतिथियों का आगमन, प्रातः 09 बजे ध्वजारोहण, 09:05 पर राष्ट्रीय गान, 09:10 पर मध्यप्रदेश गान, तत्पश्चात जनपद अध्यक्ष अर्चना खोंगल के द्वारा मुख्यमंत्री जी का संदेश वाचन। सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन तथा प्रशस्ती पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर निकाला गया मौन जुलूस

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद वारासिवनी के द्वारा विभाजन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों एवं विस्थापित परिवारों की पीड़ा और संघर्ष को स्मरण करते हुए मौन जुलूस निकाला गया। मौन जुलूस में जनप्रतिनिधियो, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। जुलूस के दौरान देश की एकता, अखंडता एवं भाईचारे का संदेश दिया गया तथा विभाजन के समय अपने प्राण गंवाने वाले लाखों लोगों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। जुलूस के दौरान गोलीबारी चौक पर स्थापित स्व. दशाराम डाखीया स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की प्रतिमा पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के द्वारा माल्यार्पण किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीदों को नमन करते हुए उनके त्याग, बलिदान एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण को स्मरण किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांन्द्रे ने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हमें इतिहास के उस दर्दनाक दौर की याद दिलाता है। जब देश के विभाजन के दौरान असंख्य लोगों को विस्थापन और अपार पीड़ा का सामना करना पड़ा। यह दिवस हमें आपसी सद्भाव, एकता और भाईचारे को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने राष्ट्र की एकता एवं अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया।

पीएम श्री शा.उ.मा.विद्यालय भेंड़ारा के छात्र छात्राओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

पद्मेश न्यूज। भेंडारा। प्रदेश के मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार हर घर तिरंगा घर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में पी एम श्री शा.उ.मा. विद्यालय भेंड़ारा में गुरुवार को एक भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, शिक्षकों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागी हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लिए देशभक्ति के नारों के साथ आगे बढ़ रहे थे। रैली का उद्देश्य लोगों में देशप्रेम, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के सम्मान के प्रति जागरूकता फैलाना था। इस अवसर पर देश के शहीदों को याद किया गया और भारत माता की जय के नारों से वातावरण को उत्साहपूर्ण बना दिया। रैली स्कूल परिसर से शुरू होकर मुख्य मार्गों से गुजरते हुए समाप्त हुई। कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत भी प्रस्तुत किए। इस प्रकार तिरंगा रैली ने ना केवल लोगों में जोश और उत्साह भरा, बल्कि राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देश के प्रति समर्पण की भावना को भी मजबूत किया। प्राचार्य रविकांत नगपूरे ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि राष्ट्र के प्रति सम्मान और जागरूकता का संदेश है। ऐसे आयोजनों से ब'चों और अभिभावकों में राष्ट्रीयता की भावना मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि इससे ब'चों में संविधान राष्ट्रीय प्रतीकों और देशभक्ति के प्रति सम्मान की भावना विकसित होती है। विद्यालय में हर घर तिरंगा घर.घर तिरंगा के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और रंग.बिरंगी आकर्षक रंगोलियाँ बनाई। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मकता को बढ़ावा देना और उन्हें भारतीय संस्कृति से जोड़ना था। ब'चों ने सजावटी सामग्री का उपयोग करके सुंदर कलाकृतियाँ तैयार कीं विद्यालय के शिक्षकों ने विद्यार्थियों के कार्य की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित भी किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्राचार्य रविकांत नगपूरे,अनिल कावडे,आशीष पारधी,विजय कुमार गुप्ता,दिलीप पारधी,विनोद हाडगे, मौसम कोल्हेकर,राहुल नगपूरे,श्रीमती विभूति सहारे,श्रीमती रश्मि तूरकर, श्रीमती ललिता बसोड, श्रीमती गुनवंता पटले एवं समस्त स्टाफ व छात्र छात्राओं का सराहनीय योगदान रहा।

डेढ़ साल से नहीं हुई जनभागीदारी समिति की बैठक

सदस्यों ने महाविद्यालय पहुंचकर जताई नाराजगी, जल्द बैठक करवाने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा की जनभागीदारी समिति की बैठक लंबे समय से आयोजित नहीं हुई है। समिति की पिछली बैठक लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व 8 जनवरी 2025 को आयोजित हुई थी। इसके बाद से अब तक बैठक नहीं होने को लेकर समिति के सदस्यों ने शुक्रवार को महाविद्यालय पहुंचकर स्थिति की जानकारी लेने का प्रयास किया। साथ ही डेढ़ साल से जनभागीदारी समिति की बैठक नही होने पर समिति के पदाधिकारियों ने नाराजगी जताते हुए जल्द बैठक करवाने की मांग महाविद्यालय प्रशासन से की है। शुक्रवार को जनभागीदारी समिति के सदस्य सरोवर टेम्भरे, हिमालय टेम्भरे एवं डामेन्द्र धानेश्वर को शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा पहुंचे। वहीं महाविद्यालय पहुंचे सदस्यों का उद्देश्य यह जानना था कि लंबे समय से समिति की बैठक क्यों नहीं हो पा रही है और इसके पीछे क्या कारण अथवा प्रशासनिक दिक्कतें हैं उसके बारे में जानकारी प्राप्त की है। चर्चा में महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति के सदस्यों ने बताया कि डेढ़ वर्ष से महाविद्यालय में जनभागीदारी समिति की बैठक नही हुई है।

जिस कारण से महाविद्यालय से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों, विद्यार्थियों की आवश्यकताओं तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा एवं निर्णय नही हो पा रहे है। जबकि समय-समय पर बैठक होनी चाहिए। आगे बताया कि डेढ़ वर्ष से जनभागीदारी समिति की बैठक क्यों नही हो रही है जिसकी जानकारी लेने शुक्रवार को महाविद्यालय पहुंचे थे। जहां पहुंचने के बाद जानकारी मिली कि प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम मेडिकल लीव पर हैं। उनकी अनुपस्थिति में महाविद्यालय का प्रभार वर्तमान में डॉ. प्रदीप भीमटे अस्थायी रूप से संभाल रहे हैं। इसी दौरान शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट की एक जांच टीम भी शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा पहुंची हुई थी। जांच टीम के साथ प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीप भीमटे व्यस्त थे। इस कारण जनभागीदारी समिति के सदस्यों की उनसे मुलाकात नहीं हो सकी। आगे बताया कि समिति के सदस्यों ने महाविद्यालय के सहायक ग्रेड-2 मनीष शिवहरे को महाविद्यालय आने का उद्देश्य बताया और जनभागीदारी समिति की आगामी बैठक के संबंध में जानकारी चाही। इस पर मनीष शिवहरे ने बताया कि बैठक कब आयोजित होगी, इस संबंध में वे अधिकृत रूप से कुछ नहीं बता सकते। उन्होंने कहा कि इस बारे में प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम ही अधिकृत जानकारी दे सकती हैं। वहीं श्री शिवहरे ने समिति के सदस्यों को बताया कि प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम 18 अगस्त को पुनः महाविद्यालय %वाइन करेंगी। उनके वापस आने के बाद ही जनभागीदारी समिति की आगामी बैठक के संबंध में जानकारी दी जायेगी। वहीं जनभागीदारी समिति की बैठक लंबे समय से नहीं होने के कारण समिति के सदस्यों में भी इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं। समिति की नियमित बैठक में महाविद्यालय से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों, विद्यार्थियों की आवश्यकताओं तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा एवं निर्णय लिए जाते हैं। ऐसे में करीब डेढ़ वर्ष से बैठक नहीं होने को लेकर सदस्यों ने महाविद्यालय पहुंचकर वस्तुस्थिति जानने का प्रयास किया है। अब 18 अगस्त को प्रभारी प्राचार्य के पुनः कार्यभार संभालने के बाद ही आगामी बैठक को लेकर स्थिति स्पष्ट होने की संभावना है।

जनपद पंचायत में जनपद अध्यक्ष करेंगी ध्वजारोहण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। तत्संबंध में जानकारी देते हुए प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी घनश्याम भालेकर ने बताया कि यह कार्यक्रम जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी, जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल के प्रमुख आतिथ्य एवं समस्त जनपद सदस्यों के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा। आगे बताया कि जनपद पंचायत कार्यालय में प्रातः 7.30 बजे जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी के द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा तत्पश्चात राष्ट्रगान का गायन के बाद मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया जायेगा। जिसके बाद प्रातः 8.45 बजे गांधी चौक बस स्टैण्ड लालबर्रा में जनपद उपाध्यक्ष विरेन्द्र किशोर पालीवाल के द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा तत्पश्चात राष्ट्रगान, महात्मा गांधी, बाबा साहेब आंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जायेगा।

फिर रुलाएगी प्याज!

नई दिल्ली। देश की बड़ी मंडियों में पिछले हफ्ते प्याज की थोक कीमतों में 25 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जबकि सरकार कीमतों में बढ़ोतरी को रोकने के लिए बफर स्टॉक से प्याज बेचने की तैयारी कर रही है। व्यापारियों का कहना है कि दक्षिण भारत से खरीफ प्याज की फसल आने में देरी के कारण कीमतों में और बढ़ोतरी की उम्मीद है, क्योंकि बुवाई देर से हुई थी। सरकार के सितंबर के पहले हफ्ते से बफर स्टॉक से प्याज बेचना शुरू करने की उम्मीद है। इस साल, सरकार द्वारा सीजन के लिए न्यूनतम सुनिश्चित खरीद मूल्य सात बार बढ़ाने के बावजूद, प्याज की खरीद का अनुमानित आंकड़ा 200,000 टन के लक्ष्य से लगभग 25 फीसदी कम है।

देश की प्रमुख मंडियों में प्याज की औसत कीमतें 27 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गईं, जो 5 अगस्त को 21.50 रुपए प्रति किलोग्राम थीं - यानी इसमें लगभग 25 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान सबसे अच्छी क्वालिटी वाले प्याज की कीमतें 24 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 30 रुपए प्रति किलोग्राम हो गईं। रबी की फसल से मिलने वाला प्याज, जिसे मार्च और अप्रैल में स्टोर किया जाता है, अक्टूबर तक देश में प्याज का मुख्य स्रोत होता है। इसे कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से आने वाली छोटी खरीफ फसल से मदद मिलती है, जिसके बाद अक्टूबर से महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे प्रमुख राज्यों से मुख्य खरीफ फसल आती है।

सितंबर का मौसम तय करेगा प्याज कीमतें

निर्यातकों का कहना है कि आने वाले हफ्तों में प्याज की कीमतें स्थिर रहेंगी। हालांकि, आने वाले महीनों में कीमतों की दिशा तय करने वाला अहम कारक सितंबर का मौसम होगा। अगर बारिश से दक्षिण भारत की नई फसल को नुकसान होता है, तो इससे कीमतों में बढ़ोतरी का दबाव बन सकता है। हालांकि, अगर हमें अच्छी क्वालिटी की नई फसल मिलती है, तो कीमतें नियंत्रण में रहेंगी। दरअसल, मानसून के देर से आने के कारण खरीफ की बुवाई में देरी हुई है, जिससे खरीफ की फसल आने में भी देरी होने की उम्मीद है।

शासकीय हाई स्कूल देवलगांव में गूंजा देशभक्ति का जयघोष, निकली हर घर तिरंगा यात्रा

पद्मेश न्यूज। लांजी। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर को लेकर शासन के निर्देशानुसार शासकीय हाई स्कूल देवलगांव में 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा के माध्यम से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने राष्ट्रप्रेम, एकता और देश के प्रति सम्मान की भावना का संदेश दिया। तिरंगा यात्रा में विद्यालय के विद्यार्थियों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामकर उत्साहपूर्वक सहभागिता की। भारत माता की जय और देशभक्ति के नारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। तिरंगे की आन, बान और शान के साथ निकली इस यात्रा ने ग्रामीणों में भी देशभक्ति का संचार किया। यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों के त्याग और बलिदान को स्मरण करते हुए राष्ट्र की एकता एवं अखंडता का संकल्प लिया। विद्यालय परिसर से प्रारंभ हुई यात्रा निर्धारित मार्ग से होकर निकली। विद्यार्थियों की अनुशासित कतार और हाथों में लहराते तिरंगे ने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग दिया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, देश के प्रति कर्तव्यों तथा जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर.के. बेंजामिन, एस.एल. घोरमारे, शैलेश नागदेवे, ईश्वरी प्रसाद कुशले, दुधराम चौधरी, श्रीमती सविता टेंभरे, कुंजन वंजारी, भोलाराम घोरमारे एवं कांति जीवतोडे उपस्थित रहे।

पांढरवानी-लालबर्रा पंचायत में अनीस खान करेंगे ध्वजारोहण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र की सबसे बड़ी एवं निरंतर विकासशील ग्राम पंचायत पांढरवानी-लालबर्रा के पंचायत भवन में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर प्रातः 7.30 बजे सरपंच अनीस खान के द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का पूजन अर्चन कर ध्वजारोहण किया जायेगा। जिसके पश्चात ध्वज को सलामी देकर उपस्थितजनों के द्वारा राष्ट्रगान का गायन किया जायेगा। जिसके बाद चांदनी चौक में प्रातः 7.45 बजे उपसरपंच राकेश अग्रवाल के द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा। इस अवसर पर नगरवासी व ग्रामीणजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील सरपंच अनीस खान, उपसरपंच राकेश अग्रवाल, प्रभारी सचिव कृष्णा पंचेश्वर, पंचायत समन्वयक संदेश पारधी, पंच मो. आबिद कुरैशी, सावनलाल बाहेश्वर, आम्रपाली रंगारे, विनोद पंचेश्वर, हेमलता माते, कृष्णकुमार यादव, मिथलेश बोरकर, रितेश्वरी भोंगाड़े, सरिता नागेश्वर, सविता साहू, सुधीर जैन, मुकेश पटले, अप्पू भूपेन्द्र कुमरे, शीला धुर्वे, काफिया रंगरेज, अमरीन खान, साकिर खान, गीता घाटे, तसमीन फिरदौस सहित अन्य कर्मचारियों ने की है।

वैश्य महिला समाज ने 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत दिया देशभक्ति का संदेश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। स्वाधीनता दिवस के पावन अवसर पर आमजनों में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना को जाग्रत करने के उद्देश्य से 'हर घर तिरंगा' अभियान का आयोजन उत्साहपूर्वक किया जा रहा है। इसी कड़ी में नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी में वैश्य महिला समाज लालबर्रा की अध्यक्ष श्रीमती सरोज अवधिया के निवास पर गुरूवार को वैश्य महिला समाज की ओर से 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में राधे-राधे महिला मंडल की महिलाएं विशेष रूप से शामिल हुई। उपस्थित सभी महिलाओं ने हाथों में तिरंगा ध्वज लेकर देशभक्ति के गगनभेदी नारे लगाये और राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत गीत गाये। वहीं महिलाओं के इस उत्साह ने संपूर्ण वातावरण को देशभक्ति के आनंद में सराबोर कर दिया। वहीं हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम के माध्यम से वैश्य महिला समाज की पदाधिकारी एवं सदस्यों ने क्षेत्रवासियों से 15 अगस्त (स्वाधीनता दिवस) के अवसर पर अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना को बनाये रखने का आव्हान किया है। इस अवसर पर वैश्य महिला समाज लालबर्रा के पदाधिकारी, सदस्य एवं राधे-राधे महिला मंडल की महिलाएं उपस्थित रहे।

जनगणना-2027 में पूछी जाएगी जाति भी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जनगणना-2027 के लिए 40 सवालों की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें लोगों से स्ट, स्ज्ञ या अन्य जाति के बारे में पूछा जाएगा। आजादी के बाद यह पहली बार होगा जब सभी समुदायों की जाति की जानकारी जनगणना में दर्ज की जाएगी। इससे पहले 2011 की जनगणना के फॉर्म में 29 सवाल थे। इसमें जाति से जुड़ी जानकारी के लिए सिर्फ स्ष्ट/स्ज्ञ का विकल्प था। अब जनगणना-2027 के सवालों की लिस्ट में जाति से जुड़ा सवाल नंबर 10 पर है, जिसमें स्ष्ट/स्ज्ञ के साथ जाति ऑप्शन भी जोड़ा गया है।

खास बात यह है कि लोगों से कोविड वैक्सीन कहां लगवाई थी, यह सवाल भी पूछा जाएगा। इसके साथ मोबाइल नंबर, आधार, वोटर ढ्ढष्ठ और बैंक अकाउंट से जुड़े सवाल भी होंगे। जनगणना दो चरणों में होगी। बर्फीले इलाकों में पॉपुलेशन एन्यूमरेशन 1 से 30 सितंबर 2026 तक होगा, जबकि देश के बाकी हिस्सों में यह चरण फरवरी 2027 में कराया जाएगा। यह देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी।

40 सवालों में क्या-क्या पूछा जाएगा

जनगणना में लोगों की शिक्षा, रोजगार, दिव्यांगता, मातृभाषा और दूसरी भाषाओं की जानकारी भी ली जाएगी। इसके अलावा व्यक्ति की साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, स्कूल-कॉलेज में पढ़ाई और उच्चतम शैक्षणिक योग्यता के बारे में भी सवाल होंगे। रोजगार से जुड़े सवालों में पूछा जाएगा कि व्यक्ति ने पिछले एक साल में काम किया या नहीं, उसका काम क्या है, किस उद्योग या सेवा में काम करता है, कामगार की श्रेणी क्या है और क्या वह रोजगार की तलाश में है। काम की जगह तक आने-जाने की जानकारी भी ली जाएगी।

प्रश्नावली में व्यक्ति का जन्म स्थान, पिछला निवास स्थान, वहां से आने की वजह और मौजूदा जगह पर रहने की अवधि पूछी जाएगी। साथ ही स्थायी निवास का पता भी दर्ज किया जाएगा।

वन्यप्राणी संरक्षण और मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने ग्रामीणों को किया जागरूक

पद्मेश न्यूज। लांजी। वन एवं वन्यजीव संरक्षण के साथ मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को रोकने और ग्रामीणों को वन्यप्राणियों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 14 अगस्त को पश्चिम लांजी वन परिक्षेत्र के वन्यप्राणी बाहुल्य क्षेत्र ग्राम पौनी के बीट सिर्री में चरवाहा सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपवनमंडल अधिकारी, लांजी सामान्य की उपस्थिति में वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने ग्रामीणों एवं चरवाहों से सीधा संवाद कर वन्यप्राणी सुरक्षा एवं सावधानियों की जानकारी दी। सम्मेलन में अधिकारियों ने बताया कि जंगल और खेतों के आसपास नियमित रूप से रहने वाले चरवाहे वन्यप्राणियों की गतिविधियों की जानकारी वन विभाग तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ग्रामीणों से अपील की गई कि बाघ, तेंदुआ अथवा अन्य हिंसक वन्यप्राणी दिखाई देने पर उसका पीछा करने, उसे भगाने या उसके नजदीक जाने का प्रयास न करें, बल्कि तत्काल वन विभाग को सूचना दें।

अकेले जंगल जाने से बचें, रात में बरतें विशेष सावधानी

ग्रामीणों एवं चरवाहों को स्वयं तथा अपने मवेशियों की सुरक्षा के लिए जंगल अथवा खेतों में अकेले नहीं जाने, समूह में रहने और रात्रि के समय विशेष सतर्कता बरतने की समझाइश दी गई। वन्यप्राणी की उपस्थिति की जानकारी मिलने पर अफवाहों पर विश्वास करने के बजाय वन विभाग से संपर्क करने की बात कही गई।

जनहानि और पशुहानि पर मुआवजा प्रक्रिया की जानकारी

सम्मेलन में शासन के राजपत्र में निर्धारित प्रावधानों के तहत वन्यप्राणी के हमले से जनहानि, जनघायल, पशुहानि अथवा पशु घायल होने की स्थिति में मिलने वाली मुआवजा राशि और प्रकरण तैयार करने की प्रक्रिया के बारे में भी ग्रामीणों को जानकारी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी वन्यप्राणी घटना की सूचना तत्काल संबंधित वन अमले को देना जरूरी है, ताकि समय पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए नियमानुसार प्रकरण तैयार किया जा सके।

अवैध कटाई और शिकार रोकने में ग्रामीणों से सहयोग की अपील

वन क्षेत्र में अवैध कटाई, अवैध शिकार, अवैध चराई तथा अन्य गैरकानूनी गतिविधियों की रोकथाम पर भी चर्चा हुई। ग्रामीणों से कहा गया कि जंगल में किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल वन विभाग को दें और वन सुरक्षा के लिए विभाग के सूचना तंत्र को मजबूत करने में सहयोग करें।

फसल सुरक्षा के लिए सामूहिक निगरानी पर जोर

वन्यप्राणियों से फसलों को होने वाले नुकसान को कम करने के लिए खेतों की नियमित निगरानी, सामूहिक रूप से फसल की सुरक्षा तथा वन्यप्राणियों की आवाजाही वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने कहा कि मानव और वन्यजीव दोनों की सुरक्षा के लिए ग्रामीणों और वन विभाग के बीच बेहतर समन्वय तथा समय पर सूचना का आदान-प्रदान बेहद जरूरी है। चरवाहा सम्मेलन के माध्यम से ग्रामीणों को यह संदेश दिया गया कि वन्यप्राणी मानव जीवन के लिए खतरा बनने से पहले उनकी गतिविधियों की सूचना विभाग तक पहुंचाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। वन विभाग ने ग्रामीणों से वन एवं वन्यजीव संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने, वन्यप्राणी की उपस्थिति की जानकारी नहीं छिपाने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल संबंधित वन अमले को सूचित करने की अपील की।

पर्यावरण संतुलन और समाज सशक्तिकरण में नवांकुर सखी की भूमिका महत्वपूर्ण - राजकुमार कर्राहे

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के विकासखंड लांजी अंतर्गत सेक्टर क्रमांक-1 में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का आयोजन किया गया। नवांकुर संस्था स्पोर्ट एंड स्काउट गाइड ऑर्गेनाइजेशन एवं नगर विकास प्रस्फुटन समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जल संचयन और समाज में प्रकृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ लांजी-किरनापुर विधायक राजकुमार कर्राहे के मुख्य आतिथ्य, स्वच्छता एम्बेसडर संतोष मोरघडे की अध्यक्षता तथा जिला पंचायत सदस्य दुलीचंद राजनीरे, शासकीय महाविद्यालय लांजी के प्राचार्य डॉ. गौतम कठाने, नगर परिषद पार्षद किशोर रामटेककर एवं श्यामलाल पांडे के विशिष्ट आतिथ्य में हुआ। विकासखंड समन्वयक संतोष नगपुरे सहित नवांकुर सखियों, विभिन्न समितियों के सदस्यों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

प्रकृति के असंतुलन पर जताई चिंता

हरियाली यात्रा के दौरान लोगों को हरियाली अमावस्या की शुभकामनाएं देते हुए प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में अत्यधिक एवं असमान वर्षा, बढ़ते तापमान, जल संचयन संरचनाओं के समाप्त होने तथा लगातार हो रही पेड़ों की कटाई से उत्पन्न पर्यावरणीय असंतुलन पर चर्चा की गई। उपस्थित लोगों से जल संरक्षण, अधिक से अधिक पौधरोपण तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का आह्वान किया गया। विधायक राजकुमार कर्राहे ने कहा कि पेड़ों के अत्यधिक दोहन और प्राकृतिक संसाधनों के अनियंत्रित उपयोग से पर्यावरणीय असंतुलन बढ़ रहा है। इसका प्रभाव वर्षा के स्वरूप और तापमान में भी दिखाई दे रहा है। यदि प्रकृति के साथ इसी तरह छेड़छाड़ जारी रही तो आने वाली पीढ़ियों को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल किसी एक विभाग या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। सामूहिक प्रयासों से ही प्रकृति का संतुलन बनाए रखा जा सकता है। उन्होंने अधिक से अधिक पौधे लगाने, जलस्रोतों और जल संचयन संरचनाओं के संरक्षण तथा पानी की बचत के लिए लोगों को आगे आने का आह्वान किया।

भारतीय संस्कृति में प्रकृति का विशेष महत्व

विधायक कर्राहे ने भारतीय संस्कृति में प्रकृति के सामाजिक, आध्यात्मिक एवं पौराणिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय परंपरा में प्रकृति को सदैव सम्मान दिया गया है। पेड़-पौधे, नदियां, पर्वत और जलस्रोत हमारी संस्कृति और जीवन पद्धति का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। इसलिए प्रकृति की रक्षा करना हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि सशक्त समाज और संतुलित पर्यावरण के निर्माण में महिलाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। नवांकुर सखी हरियाली यात्रा के माध्यम से महिलाएं पर्यावरण संरक्षण का संदेश घर-घर तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं।

पौधा लगाने से अधिक जरूरी है उसे जीवित रखना

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संतोष मोरघडे ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए पर्यावरण संरक्षण को जनअभियान बनाना होगा। केवल पौधरोपण करने से उद्देश्य पूरा नहीं होगा, बल्कि लगाए गए पौधों को नियमित देखभाल कर बड़ा करना अधिक महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ. गौतम कठाने ने उपस्थित लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा लगाए गए पौधों को जीवित रखने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में नगर परिषद उपाध्यक्ष एवं परामर्शदाता मुख्य नगर पालिका अधिकारी मयूर वाहने, उपयंत्री अमित नागपुरे, संदीप कुमार रामटेककर, नवांकुर संस्था के सचिव लवकुश यादव, सेक्टर की नवांकुर सखियां, नगर विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष कैलाश ब्रह्मपुरे, रज्जू यादव, पिंकी अग्रवाल, रामेश्वरी ठोमरे सहित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में गायत्री मंदिर ट्रस्ट, निर्माण इंस्टीट्यूट एवं नगर परिषद लांजी का सहयोग रहा।

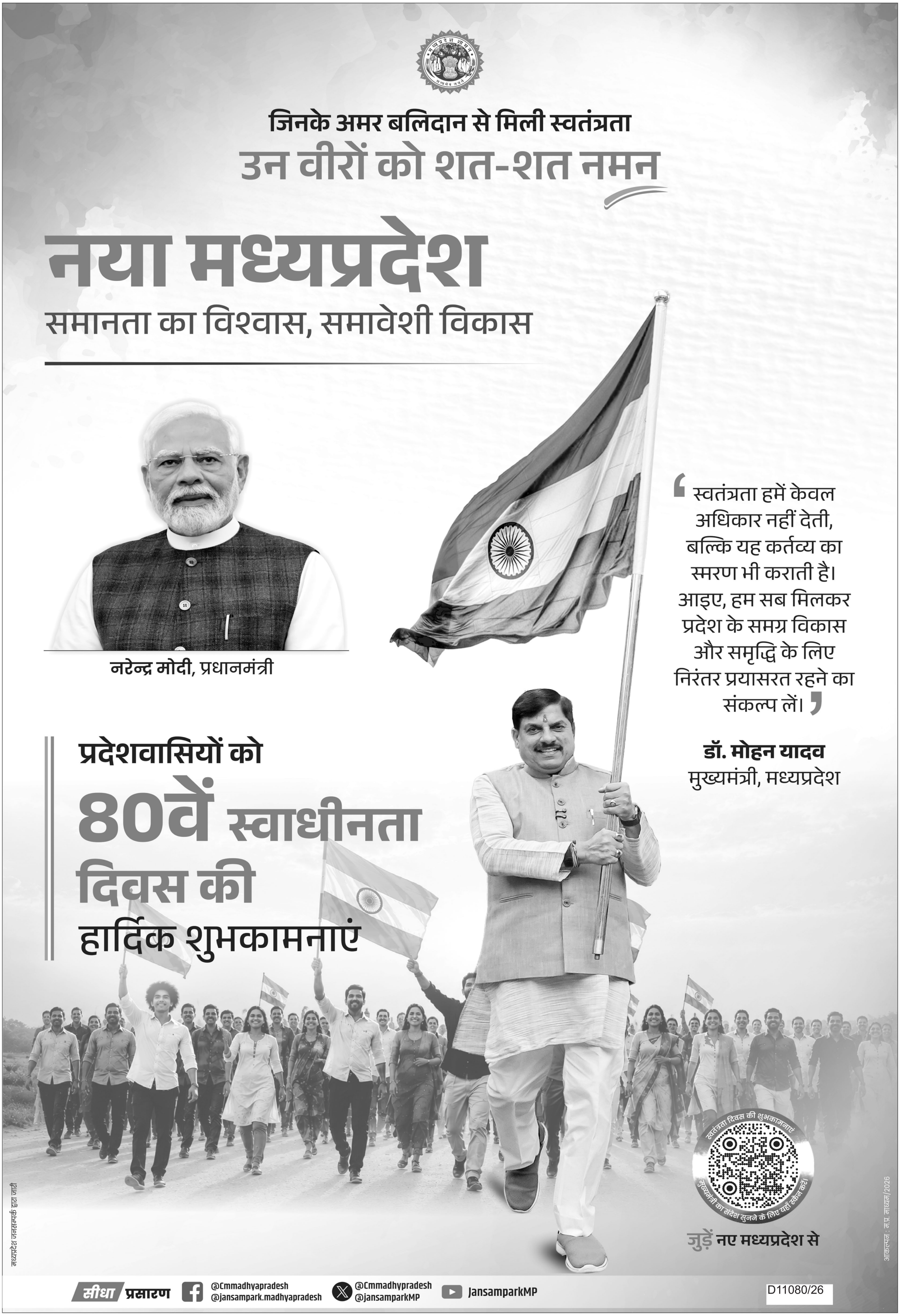
जिनके अमर बलिदान से मिली स्वतंत्रता
उन वीरों को शत-शत नमन
नया मध्यप्रदेश
समानता का विश्वास, समावेशी विकास
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
स्वतंत्रता हमें केवल अधिकार नहीं देती, बल्कि यह कर्तव्य का स्मरण भी कराती है। आइए, हम सब मिलकर प्रदेश के समग्र विकास और समृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संकल्प लें।
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
प्रदेशवासियों को
80वें स्वाधीनता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
जुड़ें नए मध्यप्रदेश से
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
D11080/26

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस आज

जगह जगह ध्वजारोहण कर तिरंगे झंडे को दी जाएगी सलामी, पुलिस लाईन में मुख्य समारोह का होंगा आयोजन, कलेक्टर कुमार सत्यम करेंगे ध्वजारोहण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलो व ग्रामीण अंचलों मे शनिवार को स्वतंत्रता दिवस पूर्ण उत्साह उमंग और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।जिसके तहत जगह-जगह दिन भर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएगे।प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह नगर के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित किया गया है।जहां कलेक्टर कुमार सत्यम द्वारा ध्वजारोहण कर तिरंगे झंडे को सलामी दी जाएगी। वहीं पूर्व से निर्धारित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे।पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित इस मुख्य समारोह की शुरुआत अतिथियों के आगमन के साथ की जाएगी। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम व ध्वाजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान होगा। जिसके उपरांत अतिथि द्वारा परेड का निरीक्षण किया जाएगा.जिसके तुरंत बाद उपरांत विभिन्न पुलिस प्लाटून, एनसीसी, एनएसएस, स्कूली बच्चों द्वारा शानदार मार्च पास्ट की प्रस्तुति देकर सलामी पेश की जाएगी।जिसके उपरांत मुख्य मुख्यमंत्री का जनता के नाम संदेश का सीधा प्रसारण किया जाएगा।वही मुख्य अतिथि उदभोदन के बाद,ग्राउंड के चारो ओर से अमन के संदेश के साथ हवा मे गुब्बारे छोड़े जाएगे। जिसके बाद संस्कृति कार्यक्रम सम्पन्न कराकर, पुरस्कार वितरण किया जाएगा।जिंसमे विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों कर्मचारियों के साथ साथ, शासकीय भवनों की साज सज्जा और मार्च पास्ट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दलों को पुरस्कृत कर राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का गायन होंगा।जिसके उपरांत राष्ट्रगान कर कार्यक्रम का समापन किया जाएगा।इसके अलावा नगर व जिले भर में जगह जगह ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान कर देश की शान में नारे लगाए जाएंगे तो वही जगह जगह देश की आजादी का जश्न मनाया जाएगा।

बालाघाट में 15 से 17 अगस्त तक भारी बारिश की संभावना

अधिकतम तापमान 27.3 से 27.8 डिग्री, हवा की गति 7 से 8 किमी प्रति घंटा रहने का अनुमान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से प्राप्त पांच दिवसीय मध्यम श्रेणी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में 15 से 17 अगस्त 2026 की अवधि में भारी वर्षा के साथ मध्यम बादल छाए रहने की संभावना है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार इस अवधि में जिले में अधिकतम तापमान 27.3 से 27.8 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 22.7 से 23.1 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। पूर्वानुमान के अनुसार सुबह के समय हवा में नमी 98 से 100 प्रतिशत तथा दोपहर के समय 80 से 84 प्रतिशत तक रह सकती है। हवा की गति 7 से 8 किलोमीटर प्रति घंटा रहने तथा हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम रहने की संभावना है। जिले में आगामी दिनों में बारिश की संभावना को देखते हुए मौसम के अनुरूप आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी गई है। हालिया मौसम पूर्वानुमानों में भी बालाघाट में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। जिला कृषि मौसम इकाई एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, बालाघाट ने किसानों को सलाह दी है कि वे मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए कृषि कार्यों की योजना बनाएं। खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था रखें तथा भारी बारिश की स्थिति में अनावश्यक रूप से नदी-नालों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचें। किसानों को मौसम संबंधी आगामी सलाह पर भी नियमित रूप से नजर रखने की अपील की गई है।

कुमादेही डकैती कांड का जल्द हो सकता है खुलासा - संदिग्ध हिरासत में- की जा रही है पूछताछ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर थाना क्षेत्र के ग्राम कुमादेही में बुधवार की रात व्यवसायी के घर हुई सनसनीखेज डकैती के मामले में पुलिस को अहम सुराग हाथ लगे हैं। घटना के तत्काल बाद सक्रिय हुई पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर सघन पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस की जांच और पूछताछ के आधार पर जल्द ही वारदात का खुलासा होने की संभावना जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार कुमादेही निवासी व्यवसायी तेजराम ठाकरे खेती-किसानी के साथ अपने मकान में ही किरण हार्डवेयर एवं कृषि केंद्र का संचालन करते हैं। उनके घर में एटीएम मशीन भी लगी हुई है। 12 अगस्त की रात करीब 11 बजे एक युवक उनके घर पहुंचा और दरवाजा खटखटाकर वाहन खराब होने तथा पेट्रोल की आवश्यकता होने की बात कही। तेजराम ने घर में पेट्रोल नहीं होने की बात कही, लेकिन युवक लगातार दरवाजा खटखटाता रहा।कुछ देर बाद जैसे ही तेजराम ने दरवाजा खोला युवक के साथ मौजूद अन्य नकाबपोश बदमाश जबरन घर में घुस गए। बदमाशों ने तेजराम ठाकरे को जमीन पर पटक दिया। एक बदमाश ने उनकी गर्दन पर चाकू रख दिया। जबकि दूसरे ने तलवार दिखाकर उन्हें धमकाया। इस दौरान उनके साथ मारपीट भी की गई। शोर सुनकर उनकी पत्नी तानन ठाकरे बाहर आई तो बदमाशों ने उनके साथ भी मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद बदमाशों ने तेजराम उनकी पत्नी और पुत्र प्रकाश ठाकरे को एक कमरे में बंद कर दिया। हथियारों की नोक पर परिवार को आतंकित करते हुए बदमाशों ने प्रकाश ठाकरे के साथ बेल्ट से भी मारपीट की। हथियारों के डर से परिवार के सदस्य किसी तरह का विरोध नहीं कर सके।बदमाशों ने घर में रखे संदूक को लोहे की रॉड से तोड़कर उसमें रखे करीब 13.50 लाख रुपये नगद, 10 तोला सोना, रानी हार, मंगलसूत्र, कान के झुमके तथा करीब दो किलो चांदी के आभूषण निकाल लिए। इसके अलावा बदमाशों ने व्यापारी की पत्नी के गले से मंगलसूत्र और कानों से झुमके भी उतरवा लिए। वारदात के बाद बदमाश परिवार के सदस्यों को कमरे में बंद कर मौके से फरार हो गए।घटना की सूचना मिलते ही बैहर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रूपझर थाना प्रभारी निरीक्षक कामेश धूमकेती, मलाजखंड थाना प्रभारी धर्मेंद्र जोनवार, बिरसा थाना प्रभारी विजय केन सहित अन्य पुलिस अधिकारी तत्काल कुमादेही पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और बदमाशों के आने जाने के संभावित रास्तों की जानकारी ली।पुलिस इस बिंदु पर भी जांच कर रही है कि क्या बदमाशों ने वारदात से पहले व्यापारी के घर की रेकी की थी। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और पुलिस को मिले सुरागों के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास जारी है। इसी क्रम में पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है। जिनसे सघन पूछताछ की जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार पूछताछ में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आने की उम्मीद है और कुमादेही डकैती कांड का शीघ्र खुलासा हो सकता है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के बस स्टैंड के समीप बैहर रोड स्थित जामा मस्जिद चौक में शुक्रवार सुबह अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति संतोष पिता समद गिरी 40 वार्ड नंबर 3, शांति नगर, बालाघाट निवासी बताये गये है। जिनका उपचार जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार संतोष गिरी एक चर्च में पास्टर हैं। 14 अगस्त की सुबह करीब 6 बजे वे अपनी बच्ची को स्कूल छोड़ने के लिए मोटरसाइकिल से जा रहे थे। इसी दौरान जामा मस्जिद चौक स्थित मेन रोड पर पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में संतोष गिरी मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर गए और घायल हो गए।दुर्घटना के बाद अनिल बहेकार ने उन्हें मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया।जहां उन्हें भर्ती कर उपचार दिया गया। बताया गया है कि हादसे में संतोष गिरी को अंदरूनी चोटें आई हैं। जिला अस्पताल पुलिस ने घायल का बयान दर्ज कर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई के लिए कोतवाली पुलिस को भेज दी है।

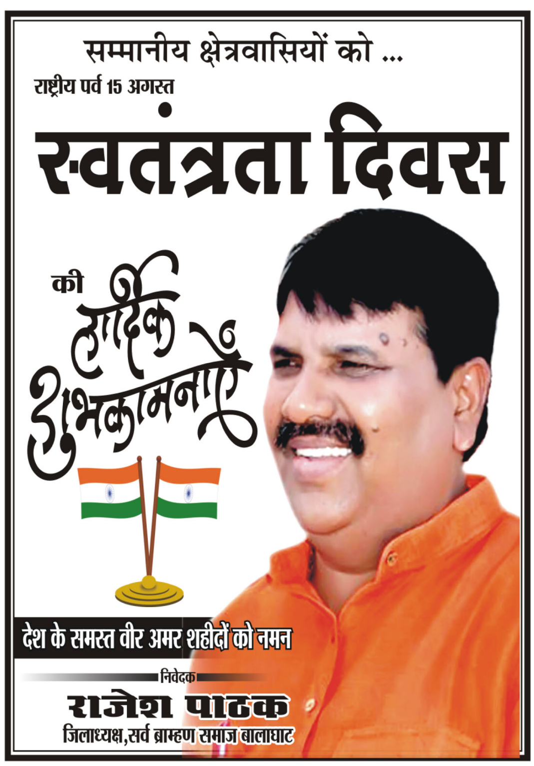

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट